सुविचार

प्रेम एक ऐसा अनुभव है जो मनुष्य को कभी हारने नही देता, और घृणा एक ऐसा अनुभव है जो इंसान को कभी जीतने नही देता।

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom Of Speech

RNI. NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

वर्ष 7, अंक-38 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 28 अक्टूबर 2022 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak

30 अक्टूबर को ग्वालियर आ रहे है डॉ. उदित राज,गरीब विरोधी सरकार के लिए हुंकार भरेंगे

मूलचन्द मेधोनिया युवा प्रदेश सहसंपादक भोपाल
मोबाइल 8878054839

भोपाल। मध्यप्रदेश के चंबल संभाग ग्वालियर में अनुसूचित जाति जनजाति अखिल भारतीय परिसंघ नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं के के सी चैयरमैन डॉ उदित राज जी पूर्व सांसद 30 अक्टूबर 2022 को सुबह आगवन हो रहा है। जो कि नीजिकरण, बेरोजगारी, मंहगाई, भ्रष्टाचार और दलितों के साथ हो रहे अन्याय /अत्याचार के खिलाफ केन्द्र में व प्रदेश में बीजेपी की गरीब विरोधी सरकार के लिए हुंकार भरेंगे। इस सरकार के द्वारा मध्यप्रदेश में आये दिन दलित और आदिवासियों की हत्या मारकाट कर अन्याय चरम सीमा पर किये जा रहे है। मध्यप्रदेश का ऐसा कोई जिला शेष नहीं है, जहाँ पर आये दिन कोई दबंग सवर्णों के द्वारा अन्याय न किया जा रहा हो। हर तरह अत्याचार की घटनाएं बढ़ी हुई है। पुलिस प्रशासन की अनदेखी एवं सरकार के द्वारा नियंत्रण न होने से आरोपियों के होंसला बुलंद है।

अभी लोगों दीपावली मनाने के लिए उत्सुक थे कि दमोह जिला की विधान सभा पथरिया के गांव देवरान में अहिरवार समाज के पति-पत्नी व पुत्र को वहां के दबंगों ने गोली मारकर हत्या तीन एक ही परिवार की हत्या कर दी है। बुन्देलखण्ड में तो सबर्ण ओबीसी के लोग जो दलित समुदाय पर कहर ढा रहे है। वह चिंतित करने वाली बात है। ब्राम्हणों से ज्यादा ओबीसी के लोग गरीब अनुसूचित जाति के साथ घोर अत्याचार कर रहे हैं। ऐसे अपराधियों पर कब बुलडोजर शिवराज सरकार चलायेगी। जिसकी मांग पूरे प्रदेश में दलित वर्गों के सामाजिक संगठनों और नागरिकों द्वारा की जा रही है। ऐसे अपराधी समाज में रहने लायक नहीं है, जो बर्बरता पूर्वक निर्मम एक ही परिवार के तीन सदस्यों को गोली मार कर हत्या कर देते हैं। असंगठित कामगार प्रकोष्ठ परिसंघ के प्रदेश अध्यक्ष मूलचन्द मेधोनिया ने परिसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ उदित राज जी से अपील की है कि वह अन्याय और हत्या जैसी दलितों पर हो रही घटनाओं पर प्रदेश और देश की सरकार का घेराव जरुर करें। साथ ही वह मध्यप्रदेश के एकमात्र अनुसूचित जाति के वीर शहीद मनीराम जी अहिरवार को अमृत महोत्सव अभियान कार्यक्रम में उन्हें कोई सम्मान नहीं दिया है। जबकि अनेक सबणों के लोगों को अमृत महोत्सव के दरमियान उन्हें सेनानियों व शहीद का दर्जा देकर उनके परिजनों का सम्मान किया गया। लेकिन दलित समुदाय के सन 1942 के स्वतंत्रता आंदोलन में अंग्रेजी सेना से युद्ध लडा और उन्हें परास्त कर गांव से खदेड़ देने वाले अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी को सम्मान नहीं दिया गया है। मध्यप्रदेश के अनुसूचित जाति जनजाति समाज के नागरिकों ने डॉ उदित राज जी से अपेक्षा की है वह अहिरवार समाज के महान पराक्रमी वीर मनीराम जी अहिरवार को शहीद दर्जा दिलाने के लिए आप कांग्रेस के माध्यम से आवाज उठाने की पुरजोर कोशिश करे। दलित समाज के लोगों के लिए डां उदित राज जी आशा की किरण है। उन्हें अपने आन्दोलन के द्वारा अन्याय के मुद्दों को गंभीरता से लिया जाये। ताकि अनुसूचित जाति और जनजाति वर्गों के लोगों के लिए आप सदैव गौरव हे। ग्वालियर में आयोजित संभागीय सम्मेलन में डॉ उदित राज जी अपने उद्बोधन में मध्यप्रदेश के अहम मुद्दों पर चर्चा जरुर करेंगे। साथ ही मध्यप्रदेश में उनका आगवन स्वागत योग्य है। मध्यप्रदेश के परिसंघ प्रवक्ता श्री जयन्तीलाल जाटव (एडवोकेट) ने प्रेस नोट जारी कर उनके कार्यक्रम का आयोजन की जानकारी दी है। जो कि निम्नवत है। डॉ उदित राज जी पूर्व सांसद एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय परिसंघ नई दिल्ली एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस प्रकोष्ठ नई दिल्ली का कार्यक्रम 30 अक्टूबर 2022 का इस प्रकार निर्धारित किया गया है शताब्दी एक्सप्रेस नई दिल्ली से ग्वालियर आएंगे शताब्दी एक्सप्रेस लगभग 9ः15 बजे सुबह आएगी ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर ऐतिहासिक और शानदार स्वागत कार्यक्रम होगा रेलवे स्टेशन पर परिसंघ मध्य प्रदेश और केकेसी मध्य प्रदेश के कार्यकर्ताओं से अनुरोध है कि वह सुबह 8:30 बजे तक रेलवे स्टेशन पर पहुंचने का कष्ट करें अखिल भारतीय परिसंघ मध्य प्रदेश का संभागीय सम्मेलन गवालियर के मानस भवन फूल बाग पर 30 अक्टूबर 2022 सुबह 11ः00 बजे शुरू हो जाएगा कृपया समय का विशेष ध्यान रखें समय पर आपकी गरिमामय उपस्थिति सपरिवार अति आवश्यक है आप सादर आमंत्रित हैं । मानस भवन के कार्यक्रम के बाद 3ः30 बजे कांग्रेस कार्यालय शिंदे की छावनी पर केकेसी गवालियर मध्य प्रदेश के कार्यकर्ताओं की बैठक और 4:30 बजे पत्रकार वार्ता का कार्यक्रम रखा गया है।

बहुजन समाज पार्टी ने राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को सौपा ज्ञापन !

कालीचरण भारतीय ❑ छतरपुर

बहुजन समाज पार्टी छतरपुर जिला इकाई ने राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को सौपा जिसमे हाल ही दमोह जिले मे अहिरवार समाज की एक ही परिवार तीन लोगो की निर्मम हत्या कर दी गई । जिसमे दमोह जिले के देवरान गाँव मे जिस ढंग से पहले तो गोली मारकर हत्या फिर मन नही भरा तो शवो को पत्थरों से कुचला गया ।

मध्यप्रदेश सरकार मे दबँगों के हौसले इतने बुलंद है आम आदमी,दलितों और पिछडो का जीना मुश्किल हो गया है। ज्ञापन देते जिला प्रभारी के एल बौद्ध के साथ जिला अध्यक्ष श्री शंकर लाल अहिरवार ने बताया कि शोकाकुल परिवार को एक सरकारी नौकरी और एक करोड़ रुपये दिये जाय । पत्रकारवार्ता मे बताया अगर सरकार ऐसे लोगो (दबंग) पर कर्रवाई नही करती तो बहुजन समाज पार्टी उग्र आंदोलन करेगी जिसकी जिम्मदारी शासन प्रशासन दोनो की रहेगी।ज्ञापन देते समय रामप्रसाद बाबू जी, चेतराम मास्टर जी, भगवत दयाल सेक्रेटरी साहब, जिले का पदाधिकारी मा.महेंद्र कुमार गुप्ता जिला उपाध्यक्ष , योगेंद्र सिंह जिला महासचिव, कपूर चंद्र लोधी जी जिला सचिव, राजाराम पाठक जी जिला कोषाध्यक्ष, दीपक जी जिला वी व्ही एफ संयोजक सहित,पूरन जी, प्रमोद आर्य जी, धर्मेंद्र धाकड़ जी प्यार लाल कुशवाहा जी विनोद पटेल पूर्व विधानसभा प्रत्यासी राजनगर बृजेश द्विवेदी जी, रीना नफीस खान जी पार्षद, श्रीमती रामरति देवी जी पार्षद, श्रीमती रजनी देवी जी पार्षद, तिज्जू अहिरवार जी जनपद सदस्य राकेश प्रजापति जी, पल्लू अहिरवार, जी परसोत्तम जी, मुन्ना कुशवाहा जी, दीपक कुशवाहा जी नगर अध्यक्ष, धर्म सिंह बौद्ध, धर्मजीत जी, जय सिंह यादव जी, मरदानी कुशवाहा जी, संतोष वर्मा जी, अरविंद अहिरवार, संतोष अहिरवार जी, राजनगर विधान सभा से नीरज अहिरवार पूर्व वि. स.अध्यक्ष , कालीचरन अहिरवार विधानसभा उपाध्यक्ष राजनगर, प्रकाश अहिरवार जी, भरत अहिरवार जी सहित सेकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

युवाओं ने दिया दिवाली का संदेश, रंगोली और फुलझड़ी जला कर सुरक्षित दिवाली मनाने की अपील की

युवा प्रदेश ❑ भोपाल।

जस्ट नॉक इवेंट्स कंपनी के द्वारा रविंद्र भवन (न्यू ऑडिटोरीअम) में धनतेरस के दिन रंगोली, दीये और फुलझड़ी जला कर भोपाल नगरवासियों को शुभकामनाये दी गई करिश्मा बागड़े के द्वारा बताया गया की हम बुद्ध भगवान के नगर आगमन के उपलक्ष में दीपावली का त्यौहार मानते है जब गोतम बुद्ध भगवान नगर मे आये थे तब उन्होंने ÷अप्प दीपो भव÷ अर्थात अपना प्रकाश स्वयं बनो। गौतम बुद्ध के कहने का मतलब यह है कि किसी दुसरे से उम्मीद लगाने की बजाये अपना प्रकाश (प्रेरणा) खुद बनो। खुद तो प्रकाशित हों ही, लेकिन दूसरों के लिए भी एक प्रकाश स्तंभ की तरह जगमगाते रहो। वहीं रचना पाल ने बताया की हिंदू धर्म में ऐसी मान्यता है की दीपावली बुराई के अंधेरे पर अच्छाई के प्रकाश का प्रतिक है, इसीलिए दीपावली पर दिए जलाने से अंधेरा मतलब बुराई समाप्त होती है, और ये दिए लोगों के बीच प्रार्थना, प्यार, अच्छाई और पवित्रता से भरा एक अद्भुत वातावरण बनाते हैं, जिससे समाज में सकारात्मकता ऊर्जा आती है. दिवाली का त्यौहार सभी के दिलों को पवित्रता की रोशनी और एक खुशनुमा, करुणामय माहोल बनाता है. जस्ट नॉक के मालिक आरजे सैम निगम, सह मालिक भावना, टीम की मेंबर श्वेता शर्मा और सभी सदस्य उपस्थित रहे। साथ में रचना पाल टीम मैनेजर, करिश्मा बागड़े मॉडल-अभिनेत्री, सानु मेकअप आर्टिस्ट और बाकी सब सहयोगी लोगो ने हैप्पी दिवाली बोल कर सुरक्षित दिवाली मनाने की सभी भारतीय से अपील की और देशवासियों को दीपावली की शुभ कामनायें दी।

उच्च न्यायालय में कितने प्रकार की बेंच होती है और यह किन मामलों में सुनवाई करती है जानिए/Legal Advice.....

भारत की एकल न्यायिक व्यवस्था में उच्च न्यायालय, उच्चतम न्यायालय से नीचे हैं लेकिन अधीनस्थ न्यायालयों के ऊपर कार्य करता है। राज्य के न्यायिक प्रशासन में उच्च न्यायालय की स्थिति शीर्ष पर होती है।

उच्च न्यायालय की न्यायिक शक्ति- उच्च न्यायालय की न्यायिक शक्ति बहुत ही विस्तृत हैं लेकिन हम अपीलीय मामलों की बात करते हैं, जब कोई व्यक्ति जिला स्तर के न्यायालय के निर्णय से संतुष्ट नहीं होता है तो वह ऐसे निर्णय के विरुद्ध उच्च न्यायालय में अपील कर सकता है। उच्च न्यायालय को यह शक्ति प्राप्ति है कि वह जिला न्यायालय के निर्णय पर विचार कर सके, यदि उच्च न्यायालय को जिला न्यायालय का निर्णय उचित न लगें उसे यह अधिकार है कि वह उस निर्णय को उलट कर उचित निर्णय दे।

उच्च न्यायालय की पीठ(बेंच)?

मुकदमे की सुनवाई के लिए उच्च न्यायालय में तीन प्रकार की बेंच या पीठ होती है जो निम्न हैं-

1. पूर्ण पीठ-
यह पीठ(बेंच) तब बनाई जाती है जब उच्च न्यायालय के सामने कोई गंभीर मामला आता है।

2. खण्ड पीठ-
इस पीठ में एक से अधिक न्यायाधीश होते हैं एवं कुछ विशेष मामलो के लिए ही यह पीठ बनाई जाती है।

3. एकल पीठ- इस पीठ(बेंच) में एक ही न्यायाधीश होता है एवं अधिकतर मुकदमे(मामले) एकल पीठ द्वारा ही सुने जाते हैं।

-लेखक बीआर अहिरवार(पत्रकार एवं लॉ छात्र होशंगाबाद)
9827737665

क्या है विधि के समक्ष समता एवं विधियों का समान संरक्षण जानिए मौलिक अधिकार सीरीज/Fundamental Right....

भारतीय संविधान अधिनियम,1950 के अनुच्छेद 14 से 18 तक समता(समानता) का अधिकार नागरिकों को प्राप्त है, समानता से अर्थ है की भारत में रहने वाले सभी व्यक्ति कानून के समक्ष

समान है कानून सभी के साथ समान न्यायालय करेगा अर्थात एक आरोपी को भी आपने बचाव के लिए उतना ही अधिकार होगा जितना वादी को आरोप सिद्ध करने का होता है। संविधान में समानता का अधिकार विधि के समक्ष होगा और हमारा देश विधि द्वारा ही चलता है,जानते हैं आज हम विधिक संरक्षण एवं विधिक समानता क्या है?

भारतीय संविधान अधिनियम,1950 के अनुच्छेद 14 की परिभाषा-?

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 14 समता का सामान्य नियम बताता है जो व्यक्तियों के बीच अयुक्तियुक्त विभेद को खत्म करता है। इस अनुच्छेद में बताया गया है की सभी नागरिक विधि के समक्ष समान है एवं सभी को विधियों के समान संरक्षण का अधिकार प्राप्त है। साधारण शब्दों में कहे तो अनुच्छेद 14 कानून के सामने सभी नागरिकों को समान मानता है एवं सभी को कानूनी संरक्षण प्राप्त होगा अर्थात विधि के उल्लंघन पर जो दण्ड एक आम नागरिक जो मिलता है वो ही दण्ड देश के राष्ट्रपति को भी मिलेगा। हमारा देश भारतीय संविधान एवं विधि के अनुसार चलता है एवं कानून(विधि) के उल्लंघन पर ही नागरिकों को न्यायालय द्वारा दण्ड दिया जाता है इस प्रकार विधि के समक्ष सब सभी को समानता एवं विधि से संरक्षण प्राप्त है।

लेखक बीआर अहिरवार(पत्रकार एवं लॉ छात्र होशंगाबाद)
9827737665

अहिरवार समाज संघ म. प्र.प्रदेशाध्यक्ष राजेश अहिरवार का जन्म दिवस मनाया।

युवा प्रदेश ❑ भोपाल।

चौधरी अमान सिंह नरवरिया जी के द्वारा छावनी पठार में अहिरवार समाज संघ म प्र के प्रदेशाध्यक्ष राजेश अहिरवार का जन्म दिवस 26 अक्टूबर 2022 की संध्या को धूमधाम बाजे गाजे पटाखों फोड़ते हुए मनाया गया। इस कार्यक्रम को अंजाम शीर्ष नैतृत्व में अहिरवार समाज के वरिष्ठतम समाज सुधारक चौधरी अमान सिंह नरवरिया जी ने यह अद्वतीय मिशाल पेश कर समाज को संदेश दिया है कि बड़े बुजुर्ग अपने से छोटे पदाधिकारियों को सम्मान देंगे तो छोटे लोग बुजुर्ग लोगों को आत्मीय सम्मान से नवाजे जाएंगे जैसा कि 26 अक्टूबर को राजेश अहिरवार प्रदेशाध्यक्ष का जन्म दिवस खुद की ओर से मनाया। इस कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ संगीता गोलिया, इनके पति हीरा लाल जी, पुत्र शिवांष ,प्रदेश उपाध्यक्ष माधौसिंह अहिरवार, भोपाल संभाग के प्रतिनिधि और नगर अध्यक्ष मंडीदीप राजेश टेंटवार उनके साथी, मीणा जी, भोपाल जिला अध्यक्ष सुरेश अहिरवार, जिला उपाध्यक्ष बालकिशन अहिरवार, जिला उपाध्यक्ष रायसेन एवं रविदास मंदिर अध्यक्ष गुदावल के अशोक अहिरवार, अहिरवार समाज संघ म प्र के पूर्व कानूनी सलाहकार एन एस गोतम जी, वरिष्ठ समाजसेवी इंजीनियर दिनेश अहिरवार जी, युवा प्रदेश के चीफ एडीटर नागेश नरवरिया, भीम आर्मी जिला अध्यक्ष रायसेन के जितेन्द्र मूलनिवासी, चंबल संभाग अध्यक्ष भीम आर्मी के संदीप चौधरी जी, अन्य पदाधिकारी गण,राजस्थान के पाटीदार जी, छावनी पठार से अससं अध्यक्ष गोविंद अहिरवार जी, पूर्व सरपंच नेमनारायण अहिरवार, रविदास मंदिर के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष प्रहलाद परिहार, कोषाध्यक्ष वीरू अहिरवार, वरिष्ठ समाजसेवी रघुवीर अहिरवार उर्फ बादशाह,, हरचंदी नरवरिया, सीताराम मदन नरवरिया,गुड्डा भाई, मूलचंद,व रविदास मंदिर समिति छावनी पठार के अन्य पदाधिकारी गण, माता बहिनों बच्चों की उपस्थिति के साथ कृष्णा बाई कलादेवी नरवरिया आदि लोगों ने सैकड़ों की तादाद में शामिल हों कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। प्रदेशाध्यक्ष जी अपने परिवार के साथ सपत्नि जैसे ही पधारे कि ढ़ोल बाजे बजना पटाखे फोड़े जाकर स्वागत आगवाई सभी ने की माईक से बालकिशन अहिरवार ज़ी ने नारेबाजी की। मंच स्थल पर पहुंचने पर संचालन श्री माधौसिंह अहिरवार जी ने संचालन करते हुए सर्व प्रथम चौधरी अमान सिंह नरवरिया जी से राजेश अहिरवार प्रदेशाध्यक्ष जी को पगड़ी बांधवाई जिनने श्री फल साल देकर माला पहनाई तिलक किया और माता ज़ी कलादेवी नरवरिया जी ने प्रदेश अध्यक्ष जी की पत्नी को साल भेंट कर पुष्प माला पहनाई। तत पश्चात सभी ने प्रदेश अध्यक्ष का फूल माला पहना कर स्वागत किया और गिफ्ट दी गई। केक काट कर हेपी बर्थडे मनाया । प्रदेशाध्यक्ष ने केक काट कर सर्वप्रथम खुद ने न खा कर चौधरी अमान सिंह नरवरिया जी को खिलाई और फिर खुद ने खाना स्वीकार किया। सभी लोगों ने इस मोके पर अपने अपने उद्बोधन में। प्रदेशाध्यक्ष को बधाई शुभकामनाए, दुआएं दी। चौधरी अमान सिंह नरवरिया जी ने बधाई देते हुए कहा कि बड़े छोटों की इज्ज़त करेंगे तो छोटे लोग हजार वार उनकी इज्जत करेंगे।धान के एक दाने का उदाहरण देते समझाया कि चावल के दाने पर छिलका लगा रहता है तब तक उसमें एक से अनेक धान के दाने पैदा करने की शक्ति रहती है और यदि छिलका उतर जानें से एक चावल रह जाता है।यह कहे कि उसमें शक्ति छिलके सहित है । यदि छिलका नहीं तो वो नहीं। इसी तरहां यदि हम को सोचना चाहिए कि जब तक हम समाज के बीच में हैं हम शक्तिवान हैं। समाज को छोड़ दिया गया तो हम अकेले हो जाएंगे और हम शक्तिहीन हो जाएंगे। अर्थात समाज से ही बड़े बन सकते हैं इसलिए समाज को सदैव बड़ा समझना चाहिए साथ लेकर चलना चाहिए। अन्यथा शक्ति हीन हो अकेले रह जाओगे। इस तरह समाज को महत्व देते हुए अपने आप को छोटा बताया। प्रदेशाध्यक्ष राजेश अहिरवार जी ने सबका आभार व्यक्त किया और समाज के हर दुःख सुख में साथ देने संघ के प्रति समर्पित रहने के भाव भरा उद्बोधन दिया। दमोह जिला के देवनार गांव में अहिरवार समाज के एक ही परिवार के पति पत्नी और बेटा की की गई हत्या की घोर निन्दा करते हुए कहा कि बह घटना स्थल जा कर शोक संतप्त परिवार से जानकारी ले वैधानिक कार्रवाई करने व शासकीय मावजा दिलाने अभियान चलाएंगे। चंबल संभाग अध्यक्ष भीम आर्मी के संदीप कुमार चौधरी जी को आश्वस्त किया कि कल सुबह-सुबह ऐंम्स अस्पताल जा कर उनके पिता जी को ब्लड डोनेट करने जाएंगे। कुशल संचालन माधौसिंह अहिरवार जी और बालकिशन अहिरवार जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को दाल बाटी भरता पुडी चांवल का भोजन कराया गया। इस प्रकार से पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रभारी अहिरवार समाज संघ म प्र द्वारा खुद के निवास पर जन्मदिन प्रदेशाध्यक्ष जी का मनाया गया।

ग्वालियर में अन्य जिलों से स्थानांतरित शिक्षकों की उपस्थिति पर लगे रोक

,मूलचन्द मेधोनिया भोपाल

मोबाइल 8878054839

ग्वालियर। 27अक्टूबर 2022 अजाक विकास संघ ग्वालियर के कार्यवाहक जिला अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण जाटव एवं पदाधिकारियों ने जिला शिक्षा अधिकारी श्री अजय कटियार एवं आयुक्त लोकशिक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश के नाम ज्ञापन देकर ग्वालियर जिले मे अन्य जिलों से स्थानांतरण होकर आने वाले शिक्षकों की उपस्थिति पर रोक लगाने एवं ग्वालियर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों मे 20 से 24 साल से कार्यरत तथा अतिशेष शिक्षकों का पदांकन ग्वालियर शहर में करने के साथ ही सी.एम.राइज स्कूलों से कार्यमुक्त शिक्षकों की नियुक्ति पहले करने की मांग की है अजाक विकास संघ ग्वालियर के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष श्री लक्ष्मी नारायण जाटव ने कहा कि यदि इसी तरह अन्य जिलों के शिक्षकों के स्थानांतरण ग्वालियर शहर के स्कूलों में किये जायेगे तो ग्रामीण क्षेत्रों में पदस्थ शिक्षक भविष्य में कभी शहर मे नही आ पायेंगे इसलिए सर्वप्रथम अन्य जिलो से स्थानांतरण होकर आने वाले शिक्षकों की उपस्थिति पर रोक लगाई जाये तथा पहले ग्वालियर जिले के अतिशेष शिक्षकों तथा सी.एम.राइज विधालयो से कार्यमुक्त शिक्षकों की पदस्थापना की जाये उसके बाद अन्य शिक्षकों को उपस्थित किया जाये । इस अवसर पर लक्ष्मी नारायण जाटव, राजेंद्र पक्षबार, राम अवतार राजौरिया, हाकिम सिंह जाटव,जितेंद्र कांसोटिया ,बाबूलाल नागरिया ,राजे खाँ ,मीना शाक्य , महेंद्र प्रताप सिंह ,अभिलाख सिंह विसारिया ,रामसिंह ,जफर अली ,पुरनिया जी इत्यादि शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे ।

छतरपुर पुलिस ने किया अंधे कत्ल का खुलासा फरियादी पति ही निकला पत्नी का हत्यारा!

अवैध संबंधों के संदेह के चलते पति ने की पत्नी की हत्या!

युवा प्रदेश ❑ छतरपुर

विगत 6 अक्टूबर को ओरछा रोड थाना अंतर्गत ग्राम कैडी में हाइवे पुल के पास एक युवती मथुरा बाई यादव पति मिजाजी यादव का शव बरामद हुआ था मृतिका के पति मिजाजी की शिकायत पर ओरछा रोड थाना पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू की मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी सचिन शर्मा मौके पर पहुंचे और एसआईटी का गठन कर जांच पड़ताल के निर्देश दिए विवेचना के दौरान सम्पूर्ण तथ्यों की सूक्ष्मता से जांच उपरांत मृतिका के पति मिजाजी के कथनों की तस्दीक की तो मिजाजी पर संदेह पैदा हुआ तस्दीक में यह पाया गया कि घटना की सूचना फरियादी मिजाजी द्वारा करीब एक घंटे बाद ग्राम कैंडी के लोगों को दी गई जब पुलिस द्वारा एक घंटे विलंब से सूचना देने का कारण जानना चाहा गया तो मृतिका का पति मिजाजी घबरा गया जब उससे तथ्यात्मक प्रश्न पूछे गए तो बार-बार मृतिका के पति का ब्यान बदलना सामने आया एसआईटी टीम द्वारा जब प्रश्नोत्तरी तैयार करके प्रश्न पूछे गए तो मिजाजी द्वारा घटना कारित करना कबूल कर लिया गया पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने आज पुलिस लाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस हाल में आयोजित पत्रकार वार्ता में अंधे कत्ल का खुलासा करते हुए बताया कि अंततः फरियादी पति ही पत्नी का हत्यारा निकला हत्या की वजह बताते हुए एसपी छतरपुर ने कहा कि,पति अपनी पत्नी पर शक संदेह करता था और दूसरा प्रोपर्टी चल अंचल सम्पत्ति को लेकर भी वह पत्नी को रास्ते से हटाना चाहता था, पत्रकार वार्ता के दौरान एडिशनल एसपी विक्रम सिंह सीएसपी लोकेंद्र सिंह ओरछा रोड थाना प्रभारी अभिषेक चौबे, सिविल लाइन थाना प्रभारी कमलेश साहू सहित भारी पुलिस बल मौजूद रहा।

ऐतिहासिक सामतपुर मड़फा तालाब अनूपपुर में छठ पर्व की तैयारी पूर्ण

कैलाश वर्मा ❑ अनूपपुर

छठ पूजा समिति के द्वारा 27 अक्टूबर को बैठक का आयोजन किया गया जिसमें पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी हर्षोल्लास के साथ छठ मैया का पूजन किए जाने का निर्णय लिया गया जिसमें नगर के एवं पूर्वांचल वासियों के द्वारा 28 अक्टूबर को नहा - खा से कार्यक्रम प्रारंभ होगा उसी के साथ दिनांक 29 अक्टूबर शनिवार को खरणा के साथ सामतपुर मड़फा तालाब में शायं काल 5ः00 बजे छठ मैया के पूजा का ध्वज वंदन के साथ शुभारंभ होगा। दिनांक 30 अक्टूबर को सूर्यास्त के पूर्व साथ प्रथम अर्ग तथा 31 अक्टूबर को सूर्य उदय के साथ द्वितीय अर्ग के द्वारा छठी मैया का पूजन कार्यक्रम किया जाएगा जिस पूजन की तैयारी हेतु पांडव कालीन सामतपुर अनूपपुर नगर के ऐतिहासिक धार्मिक स्थल मड़फा तालाब मे पूजन हेतु घाट की सफाई के साथ छठी मैया के पूजन आसन

की तैयारी पूर्ण कर ली गई है । समिति के संयोजक एडवोकेट अक्षयवट प्रसाद ने बताया की 31 अक्टूबर को सूर्योदय के साथ पूजा की समाप्ति पर समस्त उपस्थित श्रद्धालु एवं व्रत धारी माता और बहनों को पारण हेतु व्यवस्था की गई है । छठ घाट की तैयारी में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अंजूलिका शैलेंद्र सिंह पार्षद गणेश रौतेल और कांग्रेस नेता आशीष त्रिपाठी के साथ साथ नगर पालिका परिषद के समस्त अधिकारी कर्मचारियों के पूर्ण सहयोग के द्वारा साफ सफाई के साथ प्रकाश एवं टेंट की व्यवस्था की गई है साथ ही नगर के समाज सेवक कल्याण सिंह उपस्थित होकर अपने मार्गदर्शन में पूजा के समस्त तैयारी मे महत्वपूर्ण योगदान देते हुए ऐतिहासिक छठ मैया के पूजा मे किसी प्रकार का समस्या उत्पन्न ना हो इस हेतु सुरक्षा की व्यवस्था के कहा । मड़फा सामतपुर तालाब के आयोजक मंडल में प्रमुख रूप से नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती अजुलिका शैलेंद्र सिंह पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष प्रेम कुमार त्रिपाठी समिति के संयोजक एडवोकेट अक्षयवट प्रसाद, कल्याण सिंह ,राजीव शुक्ला, लक्ष्मण राव ,आशीष त्रिपाठी, शैलेंद्र सिंह,पार्षद गणेश रौतेल , सत्येंद्र स्वरूप दुबे ,उमेश राय ,अजय कुमार प्रसाद , शिवांशु रंजन, राहुल कुमार, आरके सिंह ,डीएन यादव, विनोद सिंह, विजय राठौर ,गणेश राठौर, अनिल सिंह, प्रमोद गौर ,बद्रीनाथ तिवारी ,रविंद्र प्रताप यादव के साथ पूर्वांचल के सभी व्रत धारी के सहयोग से कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा ।

निजी करण के चलते बेरोजगारी से परेशान हैं युवा, प्रदेश में नहीं भरे जा रहे हैं अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग के बैकलॉग के रिक्त पद

मूलचन्द मेधोनिया

प्रदेश अध्यक्ष मध्यप्रदेश असंगठित कामगार प्रकोष्ठ परिसंघ भोपाल

ग्वालियर। देश में निजीकरण के चलते देश के युवा अपने भविष्य के लिए बेहद चिंतित हैं, हमारा युवा वर्ग चाहे वह अनुसूचित जाति जनजाति पिछड़ा वर्ग का या अनारक्षित वर्ग का हो बेरोजगारी के डँस से मानसिक अवसाद में है, जहां लाखों रुपए खर्च कर महंगी महंगी डिग्रियां इंजीनियरिंग, एमबीए आदि प्रोफेशनल डिग्रियां हासिल कर ठेकेदारों के यहाँ मजदूरी कर, शोषण का शिकार हो रहे हैं रोजगार की तलाश में दरबदर भटक रहे हैं, युवाओं में बेरोजगारी को लेकर इतनी अधिक हताशा है कि वह गलत रास्तों पर चलने के लिए भी जरा भी संकोच नहीं करतेद्य निजीकरण और बेरोजगारी तथा अनुसूचित जाति जनजाति पिछड़ा वर्ग के सामाजिक और कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर अनुसूचित जाति जनजाति संगठनों का अखिल भारतीय परिसंघ पूरे देश में जिला, संभाग और प्रदेश की राजधानियों में विचार-विमर्श, सम्मेलन के माध्यम से लोगों के बीच में जाकर उनके हक और अधिकारों तथा वैचारिक बदलाव के लिए कार्यशाला, सम्मेलनों का आयोजन कर रहा है।

अनुसूचित जाति जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के अनेकों मुद्दे हैं जिन पर हमारा वर्ग भविष्य के लिए चिंतित हैद्य परिसंघ का संघर्ष वर्ष 1997 से जारी है 1997 में केंद्र सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग भारत सरकार द्वारा आरक्षण के विरोध में जारी आदेशों के खिलाफ हुआ था परिसंघ के आंदोलन के कारण तत्कालीन सरकार ने तीन संविधानिक संशोधन 81,82,और 85 कर नियुक्तियां पद्धतियों में आरक्षण संबंधी प्रावधान पुनः स्थापित किए गए जिसके कारण ही आज हमारे वर्ग के लोग सरकारी सेवाओं में नजर

नई संसद का नाम डॉ अम्बेडकर हो।

आते हैं,इन संवैधानिक संशोधनों से लाखों कर्मचारी लाभान्वित हुए विभागीय परीक्षा में ग्रेस मार्क, बैकलॉग की भर्ती और अनुसूचित जाति जनजाति के व्यक्तियों की नौकरियों में भागीदारी का रास्ता साफ हो सका है, परिसंघ के राष्ट्रीय चेयरमैन डॉ उदित राज (एक्स आई आर एस एवं पूर्व सांसद के अथक प्रयासों से अनुसूचित जाति जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के लोगों के छिने हुए अधिकार प्राप्त हो सके द्य डॉ उदित राज सांसद रहते हुए निजी क्षेत्र में आरक्षण का प्रावधान करने हेतु संसद में पेश किया गया था लेकिन संसद में यह बिल पास नहीं हो पाया इसके पीछे संसद में आरक्षित पदों से चुनकर जाने वाले सांसदों की उदासीनता से यह बिल पास नहीं हो सका, निजीकरण के दौर के चलते सरकारी उपक्रम निजी हाथों में सौंपे जाने से बेरोजगारी अपनी सारी मर्यादा सीमाएं तोड़कर चरम सीमा पर है, परिसंघ एक गैर राजनेतिक कर्मचारियों और सामाजिक संगठनों का संगठन है जो उनके हक और अधिकारों को बचाने के लिए निरंतर संघर्षरत है, जब जब भी देश के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनुसूचित जाति जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के हितों पर प्रहार किया है परिसंघ द्वारा इसका समय-समय पर संविधानिक तरीके से विरोध प्रकट करता रहा है

मध्यप्रदेश में

परिसंघ कर्मचारियों और सामाजिक मुद्दों को लेकर 30 अक्टूबर को ग्वालियर के मानस भवन फूल बाग में एक संभागीय सम्मेलन आयोजित कर रहा है जिसमें ग्वालियर चंबल संभाग के सैकड़ों नागरिक, कर्मचारी बुद्धिजीवी, बैंक, बीमा, रेलवे एलआईसी, शिक्षा, स्वास्थ्य विभागों के कर्मचारी पेंशनर भाग लेंगे इस संबंध में परिसंघ द्वारा 13 सूत्री मांगों के समर्थन में प्रदेश सरकार के माननीय मुख्यमंत्री जी के नाम कलेक्टर ग्वालियर के माध्यम से ज्ञापन भी देगा, सम्मेलन के प्रमुख बिंदु जिनमें जिन पर विचार मंथन किया जाएगा उनमें से हैं मध्यप्रदेश शासन में बैकलॉग के रिक्त पदों को एक समय सीमा में भरा जाना, एवं जिन अधिकारियों द्वारा बैकलॉग के पद नहीं भरे जाते हैं ऐसे दोषी अधिकारियों के खिलाफ आरक्षण अधिनियम 1994 के तहत कार्रवाई की जाना, पुरानी पेंशन बहाल की जाना,निजी करण पर तुरंत रोक लगाई जाना, जातिगत जनसंख्या की गणना कराई जाना, पूरे प्रदेश में बंद किए गए अनुसूचित जाति जनजाति के आश्रम छात्रावास चालू किया जाना, उच्च न्यायपालिका में शासन शासन की ओर से जजों की नियुक्ति में अनुसूचित जाति जनजाति वर्ग के वकीलों को नियुक्त करने की सिफारिश की जाना, प्रदेश के अनुसूचित जाति कल्याण थानों में अनुसूचित जाति जनजाति के कर्मचारियों को ही पदस्थ किया जाना, प्रदेश में 6 वर्ष से रुकी हुई कर्मचारियों की पदोन्नतियों के लिए सरकार उच्चतम न्यायालय में आरक्षण के पक्ष में मजबूती से पैरवी करें और शीघ्र निर्णय कराया जाना,2 अप्रैल 18 को अनुसूचित जाति जनजाति के लोगों पर दर्ज प्रकरण बिना शर्त वापस लिए जाना,प्रदेश के नगर निगम नगर पालिका सहित शासन के समस्त विभागों निगम मंडलों में ठेका आधारित कर्मचारियों की जगह नियमित पदों पर नियुक्तियां की जाना,शासन के सभी विभागों निगम मंडलों में प्रत्येक पद का रोस्टर संधारित कराने के बाद बैकलॉग के पदों की गणना की जाकर भर्ती की जाना, अनुसूचित जाति जनजाति संगठनों के अखिल भारतीय परिसंघ को प्रदेश के सभी जिलों में कार्यालय हेतु निशुल्क जमीन अथवा शासकीय आवास आवंटन किए जाना,शासन के विभागों निगम मंडलों में रोस्टर संधारित कमेटियों में पर संघ के पदाधिकारियों को शामिल किया जाना आदि मुद्दों को लेकर 30 अक्टूबर को परिसंघ का संभागीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है, इस सम्मेलन में परिसंघ के राष्ट्रीय चेयरमैन डॉ उदित राज, राष्ट्रीय महासचिव डॉक्टर ओम सुधा, वरिष्ठ पत्रकार शंभू सिंह, परिसंघ के प्रदेश संयोजक इंजीनियर ए आर सिंह, प्रदेश महासचिव ओ पी अहिरवार,बसंत खरे अजय झारिया, डॉक्टर के के बच्चन, लक्ष्मण सिंह सिलौटी, जे के मालवीय, ब्रह्मा दास सूर्यवंशी, डॉ.गिरीश इंडोलिया आर एल पिप्पल, इंजीनियर केबी दोहरे विभिन्न सामाजिक संगठनों ओबीसी महासभा के एडवोकेट धर्मेंद्र सिंह कुशवाह खटीक समाज सनकी अध्यक्ष रमेश चक, डॉ सुरेश भदकारिया, भारतीय ह्यष्-ह्यह्ल महासभा के महेश आर्य, कोली कोरी के जिलाध्यक्ष डॉक्टर ऑडी दत्ता जाटव महासभा के आरके कुंवर, राजेंद्र पक्षबार, दलित समाज परिषद के प्रांत अध्यक्ष दारा सिंह कटारे अजाक विकास संघ के प्रांतीय कार्यवाहक अध्यक्ष डॉक्टर जबर सिंह अग्र, सहरिया विकास समिति के प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र सिंह मानव आदि तमाम सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी कार्यकर्ता, पेंशनर, डॉक्टर,वकील, बुद्धिजीवी वर्ग के सैकड़ों नागरिक सम्मेलन में शिरकत करेंगे।

बीएसपी के जिला प्रभारी के एल बौद्ध जी ने चंदला विधानसभा मे ली बैठक

छतरपुर। बसपा जिला प्रभारी के एल बौद्ध जी ने विधानसभा चंदला मे बैठक ली जिसमे चंदला विधानसभा अध्यक्ष बरदानी कुशवाहा जी की अध्यक्षता मे बैठक का आयोजन किया गया लोगो को बसपा की विचार धारा से जोड़ने के लिए संगठन बनाने पर जोर दिया जा रहा है बरदानी कुशवाहा उनके सदस्यों ने बसपा के सदस्यों मे कभी जोस ओर उल्लास देखा गया उन्होंने इस बार बसपा विधायक बनने के लिए तन मन धन से कोशिश की जायगी ओर चंदला -49 विधानसभा पर बसपा का पर्चम लहराया जायगा । बैठक मे मुख्य अतिथि रहे के एल बौद्ध जी जिला प्रभारी जी ओर बैठक की अध्यक्षता की विधानसभा अध्यक्ष चंदला विधानसभा बरदानी कुशवाहा जी ने। श्री कुशवाहा जी ने बताया इस बार दलित पिछड़ा वोट बसपा मे एक जुट हो कर पड़ेगा ओर बसपा का ही विधायक बनेगा । 2023 मे बीएसपी का विधायक बनना पूर्णता तय और लगातार हो रहे एससी एसटी ओबीसी के लोगों का अत्याचार को लेकर बहुजन समाज पार्टी केबहुजन समाज पार्टी की विचारधारा पनप रही और बाबासाहेब और मान्यवर कांशीराम साहब की विचारधारा से परिपूर्ण बीएसपी की सीट निकलने के पूरे पूरे आसार दिख रहे हैं।

अजाक्स सतना के अतीत की गति विधियां एवं स्वर्णिम उपलब्धियां

कैलाश वर्मा ❑ सतना

मध्य प्रदेश अनुसूचित जाति/ जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ अजाक्स जिला इकाई सतना द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रयासरत है। अजाक्स के प्रांतीय अध्यक्ष जे .एन. कंसोटिया साहब, (IAS)अपर मुख्य सचिव के कर कमलों एवं माननीय एस एल सूर्यवंशी साहब प्रांतीय महासचिव (प्रशासन) भोपाल द्वारा व अध्यक्षता राम कलेश साकेत अजाक्स अध्यक्ष सतना द्वारा 30 सितंबर 2018 को अजाक्स सतना निःशुल्क कोचिंग कैरियर मार्गदर्शन सेवा का शुभारंभ किया गया था ,कोचिंग लगातार अनवरत जारी है कोचिंग में छात्र- छात्राओं को निःशुल्क शिक्षा दी जा रही है।कोचिंग में 4 टीचर लगाए गए हैं। शिक्षकों को अजाक्स के अधिकारी एवं कर्मचारी द्वारा एक निश्चित मानदेय दिया जा रहा,कोचिंग से 10 छात्र-छात्राओं ने कॉम्पिटीशन फाइट अभी तक कर चुके हैं। कॉलेज से लेकर श्वह्यष् तक की तैयारी करवाई जा रही है। अजाक्स सतना द्वारा मुख्यालय के अलावा भी बच्चों को निःशुल्क शिक्षा ग्रामीण क्षेत्र से लेकर ब्लॉक/ तहसील स्तर में कोचिंग चलाई जा रही है, इसके अलावा परम पूज्य बाबा साहब की 125 वीं जयंती के उपलक्ष में पूरे मध्यप्रदेश में 125 प्रतिमा अजाक्स के माध्यम से लगवाई गई थी,जिसमें सतना जिले में 3 प्रतिमा लगवाई गई हैं। जिसमें मुख्य रुप से आजाक्स जिला कार्यालय ऋ102 सतना में,ग्राम रजरवार कोटर -तहसील अंतर्गत एवं अमरपाटन- तहसील के अंतर्गत ग्राम- ऐरा में विधिवत अनावरणकरवाया गया। इसके साथ अनुसूचित जाति/ जनजाति के विभिन्न मुद्दों जैसे पदोन्नति में ÷आरक्षण÷ सीधी भर्ती बैक लॉक की पूर्ति एट्रोसिटी एक्ट के अलावा सामाजिक मुद्दों को लेकर शासन- प्रशासन के विरुद्ध धरना- प्रदर्शन एवं रैलियां कर के मांगे मंगवाने हेतु ज्ञापन दिया जाता है। अनुसूचित जाति /जनजाति ÷अत्याचार निवारण÷ समिति के माध्यम से कलेक्टर

महोदय एवं पुलिस अधीक्षक से मुद्दों में चर्चा कर एट्रोसिटी एक्ट के प्रकरण पंजीबद्ध करवाना एवं आर्थिक मदद दिलवाना इत्यादि कार्य किया जाता है।अनुसूचित जाति जनजाति के कर्मचारियों एवं अधिकारियों के साथ किसी भी तरह का भेद-भाव पूर्ण अधिकारियों द्वारा अनैतिक रूप से कार्यवाही की जाती है, तो उन्हें न्याय प्रदान करवाया जाना इत्यादि कार्य किया जाता है।

राजनगर विधानसभा में बसपा की बैठक सम्पन्न, संगठन बनाने पर जोर।

कालीचरण भारतीय

छतरपुर/ राजनगर। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनगर विधान सभा मे बहुजन समाज पार्टी के तत्वाधान में बैठक हुई सम्पन्न जिसमे मुख्य अतिथि ग्वालियर जॉन प्रभारी अनिल रवि जी रहे उपास्थित ,सबसे पहले बहुजन महापुरुषों की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया और जिला अध्यक्ष श्री शंकर लाल अहिरवार ने बहुजन समाज पार्टी मे विधानसभा की मे पदाधिकारियों को जिम्मदारी सौपी गई है। उसके बाद जिला प्रभारी के.एल. बौद्ध जी ने बताया कि संगठन बनाने पर जोर दिया जायेगा । गाँव-गाँव, बूथ- बूथ पर कार्यकर्ता मजबूत किया जाएगा । छतरपुर जिला की राजनगर विधानसभा कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक अनिल रवि जॉन प्रभारी ग्वालियर बहुजन समाज पार्टी ने स्थानीय उत्सव पैलेस मैं ली बैठक सर्वप्रथम बहुजन समाज में जन्मे संत गुरु महापुरुषों के छाया चित्र पर अतिथियों द्वारा माला पर किया गया और राजनगर विधानसभा कमेटी एवं सेक्टर कमेटी और बूत कमेटी के संबंध में राजनगर विधानसभा के जिम्मेदार कार्यकर्ताओं से चर्चा की और कहा राजनगर में अपना विधायक बनाने के लिए बूत कमेटी तक संगठन गठन करें ताकी आगामी वर्ष 2023 में होने वाले मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में राजनगर विधानसभा क्षेत्र से बहुजन समाज पार्टी का विधायक जीत कर मध्यप्रदेश विधानसभा में पहुंचे और कहा कि भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के हौसले बुलंद हैं वह गरीब जनता की समस्याओं को अनसुना करते हैं किसी भी पात्र व्यक्ति को समय पर शासन की योजनाओं का लाभ नहीं दिया जा रहा है और भ्रष्टाचार भी चरण सीमा में कर रहे हैं और

भाजपा सरकार में दबे कुचले समाज के लोगों पर अन्य अत्याचार भी चरम सीमा पर किया जा रहा है बैठक मे के एल् बोध जिला प्रभारी छतरपुर, शंकर लाल अहिरवार जिला अध्यक्ष , छतरपुर नीरज अहिरवार विधानसभा पूर्व अध्यक्ष ,रामराजा पाठक जी वरिष्ठ नेता बसपा, विनोद पटेल पूर्व प्रत्यासी बसपा, प्रमोद अहिरवार विधानसभा प्रभारी , तीरथ कुशवाहा जी विधानसभा प्रभारी ,दसरथ अहिरवार, एडवोकेट राकेश अहिवार जी, प्रकाश अहिरवार जी , श्याम लाल पटेल सकेरा , अरविन्द अहिरवार जी ,राजू पटेल , चरण सिंह पटेल , कालीचरण अहिरवार सहित पार्टी के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आवश्यकता

युवा प्रदेश नेटवर्क

मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।

युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक-नागेश नरवरिया
मो.- 9425156055-9755364204

मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के तहत जनसेवा शिविर आयोजित

❑ सीहोर

मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के तहत जिलेभर में जनसेवा शिविर आयोजित कर हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है। इसी क्रम में 27 अक्टूबर को ग्राम जैत में तथा 28 अक्टूबर को ग्राम खैरी सिलगेना, गदर, राम नीमटोन तथा अकोला में जनसेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे।

इन शिविरों में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सम्मिलित होंगे तथा हितग्राहियों को हितलाभ वितरित करेंगे। शिविरों के सफल आयोजन के लिए सांसद रमाकांत भार्गव की अध्यक्षता में शाहंगज में बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने कार्यक्रम के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पूर्व

सुनिश्चित करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ठाकुर ने बुधनी जनपद में मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के तहत आयोजित शिविरो में प्राप्त आवेदनों और उनके निराकरण की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जनसेवा शिविर का उद्देश्य सभी पात्र हितग्राहियों को शासन की महत्वपूर्ण हितग्राही मूलक योजनाओ का लाभ प्रदान करना है। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, महिलाओं के लिए उज्जवला गैस कनेक्शन, प्रधानमंत्री सम्मान निधि, नक्शा शुद्धिकरण, नामांतरण, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना सहित अनेक योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियो की संबंधित विभागों के अधिकारियों से जानकारी ली। बैठक में जिला पंचायत सीईओ हर्ष सिंह ने सभी पात्र हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले यह सुनिश्चित करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने शेष हितग्राहियों को भी शीघ्र योजनाओं का लाभ देने के लिए कहा। इसके साथ ही उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों को संबंधित ग्रामों का भ्रमण कर सभी आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिए। बैठक में सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बारिश थमने के बाद भी शुरू नहीं हो सका सड़क का निर्माण कार्य, धूल से परेशान हो रहे लोग

❑ रायसेन

शहर की दो मुख्य सड़कों पर लंबे समय से निर्माण कार्य चल रहा है । दोनों ही सड़कें अब तक अधूरी हैं, जिससे इन सड़कों पर दिन-रात धूल उड़ रही है। इससे यहां से निकलने वाले लोग धूल से परेशान हैं। सड़क किनारे जिनके घर और दुकानें हैं, वह लोग धूल के कारण एलर्जी का शिकार हो रहे हैं,

उन्हें सर्दी-खांसी और जुकाम जैसी बीमारी से जूझना पड़ रहा है । दवाइयां लेने से कुछ समय के लिए वह ठीक हो जातें हैं, लेकिन धूल के संपर्क में आते ही वे फिर से बीमार हो जाते हैं। शहर में गोपालपुर से खरगावली तक 32 करोड़ की राशि से 6.5 किमी की सड़क बन रही है,जबकि दरगाह से लेकर सागर तिराहा तक 14 करोड़ की लागत से 3 किमी की सड़क का निर्माण चल रहा है।

सिविल अस्पताल में डॉक्टर न पर्याप्त स्टाफ, निजी नर्सिंग होम्स और क्लीनिकों को मिल रहा बढ़ावा

❑ बरेली

नगर का सिविल अस्पताल अपने नए भवन में तो शिफ्ट हो गया है, लेकिन यहां सुविधाएं बढ़ने की जगह लगातार घट रही है । हालत यह है कि अब लोग भी कहने लगे हैं कि बिन सुविधाओं का अस्पताल है । पहले सिविल अस्पताल में 9 डॉक्टर और पर्याप्त स्टाफ हुआ करता था, जिनमें विशेषज्ञ डॉक्टर और प्रशिक्षित स्टाफ होता था, लेकिन पिछले 6 माह से यहां के हालत बद से बदतर होते जा रहे हैं । परिणाम स्वरुप नगर में निजी नर्सिंग होम्स, निजी क्लिलीनिकें और झोला छाप डाक्टरों को बढ़ावा मिल रहा है । यह निजी अस्पताल भी जब कोई केस बिगड़ जाता है तो मरीजों को सिविल अस्पताल या रायसेन रेफर कर देते हैं ।

स्वास्थ मंत्री प्रभुराम चौधरी के क्षेत्र में यह हाल है तो अन्य जिलों में क्या स्थिति हो रही होगी यह समझ से परे है । यहां पर वैसे तो जनसंख्या मे मान से 20 डाक्टर होना चाहिए, लेकिन शासन ने यहां पर सिर्फ 12 डाक्टरों की स्वीकृति दी है । उनमें से भी सिर्फ 4डाक्टर ही पदस्थ है। उसमें से एक बीएमओ का काम भी संभाल रहे हैं तो दूसरा तीन डाक्टरों में से कोई न कोई अवकाश पर रहता है, जिससे यहां की स्वास्थ्य सुविधाएं पूरी तरह से चरमराई हुई हैं। हालत यह है कि अब सामान्य उपचार के लिए भी मरीजों को निजी क्लीनिकों पर जाना पड़ रहा है। वर्तमान में 2 डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति एवं 3 का स्थानांतरण होने के साथ ही दो डॉक्टरों के द्वारा त्यागपत्र दे चुके हैं, परिणाम स्वरुप नगर के लोगों को बीमारियों के दौरान उपचार करवाने के लिए परेशान होना पड़ रहा है और महंगे दामों पर निजी नर्सिंग होम्स पर उपचार

करवा रहे हैं ।

मेडिकल स्पेशलिस्ट डॉक्टर वीडी यादव रिटायर हो गए हैं वहीं नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर वीडी खरे भी पूर्व में रिटायर हो चुके हैं, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सतीश उइके का ट्रांसफर हो चुका है वहीं डॉक्टर साजन मुरुगन एवं डॉ. शक्ति सिंह राजपूत भी त्यागपत्र दे चुके हैं। डॉक्टर रजनी पटेल एवं डॉ. हरिओम धाकड़ पीजी करने के लिए बाहर गए हैं। वर्तमान में सिविल अस्पताल में रेडियोग्राफर प्रकाश खापेड़ फार्मासिस्ट नीरज पंथी बीसीएम इंदर कुशवाहा एवं बीईई हरि गोविंद मीना भी जा चुके हैं।

जिनकी वर्तमान में आवश्यकता है अस्थि रोग विशेषज्ञ पैथोलॉजिस्ट गुप्त रोग न्यूरोलॉजिस्ट रेडियोलॉजिस्ट नहीं होने के कारण सिविल अस्पताल में नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है । पूर्व में नगर के नागरिक एवं समाजसेवियों के द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को ज्ञापन देकर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात कही जा चुकी है बावजूद इसके अभी तक अस्पताल में सुविधाएं नहीं बढ़ी हैं ।

सिविल अस्पताल में हर माह 15 हजार से 20 हजार लोग उपचार करवाने आते हैं । तो वहीं वर्तमान में मौसम में आने वाले परिवर्तन के चलते सिविल अस्पताल में मरीजों की संख्या में इजाफा देखा जा रहा है । शासन ने नया सर्वसुविधा युक्त भवन तो बनवा दिया है। लेकिन स्वास्थ्य सुविधाएं न के बराबर मिल पा रही हैं। यहां पर मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए पर्याप्त स्टाफ नहीं है। जिसके चलते आए दिन मरीजों को रेफर करना पड़ रहा है। सिविल अस्पताल में बाड़ी विकासखंड की लगभग दो लाख 50 हजार की जनसंख्या के स्वास्थ्य का भार है। प्रतिमाह यहां नगर एवं क्षेत्र कि लगभग 15 हजार से 20 हजार जनता अपने इलाज के लिए आती है। वर्तमान में प्रतिदिन 500 से 700 मरीज स्वास्थ्य लाभ के लिए अस्पताल पहुंचते हैं, लेकिन यहां पर विशेषज्ञ डॉक्टरों के अभाव में प्राइवेट डॉक्टर उपचार करवाने को मजबूर है।

बंगाल की खाड़ी में उठा सितरंग तूफान दिन और रात के तापमान में आई गिरावट

❑ रायसेन

बंगाल की खाड़ी में सितरंग तूफान उठा है, उसके प्रभाव से प्रदेश के साथ ही रायसेन में भी हवा की दिशा बदल गई है । पहले हवा उत्तर-पश्चिम से चल रही थी, लेकिन चक्रवती तूफान उठने के बाद हवा की दिशा बदल कर दक्षिण पूर्व हो गई है । हवा की दिशा बदलने के बाद भी रायसेन में हवा शांत रुप से ही चल रही है। मतलब हवा की गति मात्र 5 से 6 किमी प्रति घंटा ही है । इस तरह रायसेन में हवा शांत रूप से ही चल रही है, जिसके प्रभाव से दिन और रात के तापमान में उतार चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी । अभी दिन का तापमान 28 डिग्री और रात का तापमान 13 डिग्री पर आ गया है । रात कुछ ज्यादा ही ठंडी हो गई है

। रात के समय अब लोगों को गर्म कपड़ों का सहारा लेना पड़ रहा है । मौसम वैज्ञानिक डॉ. एसएस तोमर ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में सितरंग तूफान उठने से हवा की दिशा जरूर बदल गई है, लेकिन उसके प्रभाव से बारिश जैसी स्थिति की कोई संभावना नहीं है । दिन और रात के तापमान में जरूर उतार चढ़ाव बना रहेगा ।

कृषि उपज मंडी के अनाज तिलहन संघ कार्यालय में लगी आग

❑ विदिशा

विदिशा में अनाज तिलहन संघ कार्यालय में लक्ष्मी पूजन के दौरान लगाए दिए से आग लग गई। आग लगने से व्यापारियों में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। मंगलवार शाम को कृषि उपज मंडी स्थित अनाज तिलहन कार्यालय में से धुआं निकलता देख कर मंडी परिसर में अफरा-तफरी का

माहौल बन गया। मौके पर मौजूद लोगों ने आग लगने की जानकारी व्यापारियों को दी, जिसके बाद आनन-फानन में व्यापारी मौके पर पहुंचे और फायर ब्रिगेड को मामले की सूचना दी। जिसके बाद फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। वहीं अनाज तिलहन संघ के अध्यक्ष राधेश्याम महेश्वरी ने बताया कि दीपावली के अवसर पर व्यापारियों ने लक्ष्मी पूजन के दौरान दिए रखे थे, मंडी में चूहे बहुत है, किसी चूहे ने दिए को गिरा दिया होगा जिसके कारण आग लगी होगी। अनाज तिलहन संघ में ज्यादा कुछ नहीं तो आग से फर्नीचर, वहां बिछे बिस्तर और कागजात जलने की बात सामने आ रही है।

प्राथमिक शिक्षक के लिए ऑनलाइन भर्ती 17 नवंबर से शुरू होगी भर्ती प्रक्रिया

❑ सीहोर

स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड, द्वारा आयोजित प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2020 में अर्ह पाये गये अभ्यर्थियों के नियोजन संबंध में आदेश जारी किए हैं। प्राथमिक शिक्षक के लिए

ऑनलाइन भर्ती की प्रक्रिया 17 नवंबर से शुरू की जा रही है। इस ऑनलाइन भर्ती प्रक्रिया के संबंध में मध्यप्रदेश राज्य स्कूल शिक्षा सेवा (शैक्षणिक संवर्ग), सेवा शर्ते एवं भर्ती नियम-2018 और इन नियमों में समय-समय पर किए गए संशोधनों के अनुसरण में प्राथमिक शिक्षकों के रिक्त पदों की पूर्ति के लिए विस्तृत विवरण, नियम, निर्देश, प्रक्रिया, रिक्तियाँ, आरक्षण अर्हता आदि समस्त विवरण एम.पी. ऑनलाइन पोर्टल https://trc.mponline.gov.in पर 31 अक्टूबर से उपलब्ध रहेगा। प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा 2020 में अर्ह पाये गये अभ्यर्थियों से स्कूल शिक्षा विभाग के रिक्त पदों की पूर्ति की जानी है। प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती के लिए स्कूल शिक्षा विभाग के 7,429 एवं जनजातीय कार्य विभाग के 11 हजार 98 पद पर संयुक्त कॉउंसलिंग से भर्ती की कार्यवाही की जाएगी। नियुक्ति आदेश संबंधित विभागों द्वारा उनके विभाग में प्रचलित नियमों के अनुसार जारी किये जाएंगे।

मंडी और जनपद में विशेषज्ञों ने किसानों को दिए पर्यावरण संरक्षण के टिप्स

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में 'गोवर्धन पूजा- प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का महा उत्सव राजा भोज हॉल, कुशाभाऊ ठाकरे अंतराष्ट्रीय सभागृह, भोपाल में आयोजित किया गया

❑ पिपरिया

बुधवार को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में 'गोवर्धन पूजा- प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का महा उत्सव राजा भोज हॉल, कुशाभाऊ ठाकरे अंतराष्ट्रीय सभागृह, भोपाल में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण पिपरिया कृषि उपज मंडी और जनपद वीसी रूम में दिखाया गया। सुबह 11:00 बजे से शुरू हुए इस लाइव प्रसारण को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संबोधित किया। वहीं, पर्यावरणविद् ने प्राकृतिक खेती और प्रकृति के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कृषि उपज मंडी में किसानों मजदूरों ने कार्यक्रम को देखा सुना। वहीं, जनपद पंचायत वीसी रूम में जन अभियान परिषद के पदाधिकारियों सदस्यों ने गोवर्धन पूजा के दिन प्राकृतिक कृषि पर बताए गए तथ्यों को सुना।

क्षेत्र के प्राकृतिक कृषि से जुड़े कृषकों की इस आयोजन में सहभागिता रही। पर्यावरण विद देवांग प्रभु ने बताया हम प्राकृतिक संसाधनों को छोड़ विदेशी उत्पादों का उपयोग कर रहे हैं। यह हमारे परंपरागत संसाधनों की

अनदेखी है। वही देश का धन विदेशी उत्पादों के जरिए बाहर जा रहा है। हम प्राकृतिक खेती पर ध्यान दें। पेड़ पौधों, गाय का संरक्षण करें। इससे जल संरक्षण भी होगा वही जंगल और गाय भी सुरक्षित रहेंगे। उन्होंने प्राकृतिक खेती के संदर्भ में आंकड़ों सहित जानकारी दी। पेस्टिसाइड्स से होने वाले दुष्प्रभाव से अवगत कराया। कृषि उपज मंडी सचिव राघवेंद्र सिंह राठौर ने बताया महत्वपूर्ण प्रसारण को सुनने किसानों सहित प्राकृतिक खेती में रुचि रखने वाले किसान काफी संख्या में उपस्थित रहे।

संपादकीय

गरीबी से लड़ाई कामयाब

भारत इस लिहाज से पूरी दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण केस स्टडी था। लेकिन वैश्विक संदेश से अलग राष्ट्रीय स्तर पर भी इस रिपोर्ट से उजागर हुए तथ्य बेहद महत्वपूर्ण हैं और इनमें आगे के लिए कई उपयोगी सबक निहित हैं। हालांकि इस तरह की स्टडी राजनीतिक नजरिए से नहीं की जाती और यही इसकी खासियत भी है, लेकिन फिर भी मौजूदा संदर्भ में यह देखना उपयोगी हो सकता है कि करीब डेढ़ दशकों की इस अवधि में यूपीए और एनडीए दोनों की सरकारें रही हैं।युक्त राष्ट्र की ओर से आई एक ताजा रिपोर्ट बताती है कि भारत में 2005-06 से लेकर 2019-21 तक की 15 वर्षों की अवधि में 41.5 करोड़ लोगों को गरीबी से उबार लिया गया है। किसी भी पैमाने पर यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। जैसा कि सोमवार को जारी इस मल्टी डाइमेंशनल पॉवर्टी इंडेक्स (एमपीआई) रिपोर्ट में भी कहा गया है कि इस उपलब्धि का वैश्विक स्तर पर तत्काल यह फायदा हुआ है कि इसने सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्स (एसडीजी) की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सार्थकता बढ़ा दी है। हाल के वर्षों में कोरोना, युद्ध, जलवायु परिवर्तन जैसे तमाम कारकों से उपजे हालात को देखते हुए इन लक्ष्यों को हासिल करना नामुमकिन नहीं तो बेहद मुश्किल जरूर लगने लगा था। ऐसे में इस उपलब्धि ने अचानक जैसे सबके मन में आशा का संचार कर दिया है। अब कहा जा रहा है कि ज्यादा नहीं तो गरीबी में रह रहे लोगों की संख्या 2030 तक आधा करने का लक्ष्य तो हासिल किया ही जा सकता है।

भारत इस लिहाज से पूरी दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण केस स्टडी था। लेकिन वैश्विक संदेश से अलग राष्ट्रीय स्तर पर भी इस रिपोर्ट से उजागर हुए तथ्य बेहद महत्वपूर्ण हैं और इनमें आगे के लिए कई उपयोगी सबक निहित हैं। हालांकि इस तरह की स्टडी राजनीतिक नजरिए से नहीं की जाती और यही इसकी खासियत भी है, लेकिन फिर भी मौजूदा संदर्भ में यह देखना उपयोगी हो सकता है कि करीब डेढ़ दशकों की इस अवधि में यूपीए और एनडीए दोनों की सरकारें रही हैं।आपसी विवादों और कार्यशैली के अंतर के बावजूद दोनों ही सरकारों के कार्यकाल में गरीबी उन्मूलन के प्रयास अलग-अलग स्तरों पर जारी रहे और उनके प्रभाव भी नजर आए। रिपोर्ट के मुताबिक 2005-06 से 2015-16 के बीच करीब 27.5 करोड़ लोग गरीबी से निकले तो 2015-16 से 2019-21 की महामारी पूर्व की अवधि में 14 करोड़ लोग इससे बाहर आए। सबसे चमत्कारिक स्थिति तो बिहार जैसे गरीब माने जाने वाले राज्य की है। वहां 2005-06 में गरीबी का जो प्रतिशत 77.4 था वह 2015-16 में घटकर 52.4 फीसदी पर आया और 2019-21 में 34.7 फीसदी पर आ गया। खास बात यह कि इस स्टडी में दुनिया भर में गरीबी को अभावों के संदर्भ में समझने की कोशिश हुई और पाया गया कि ज्यादातर मामलों में चार कमियां सबसे ज्यादा प्रभावित करती है। वे हैं - भोजन, रसोई ईंधन, शौचालय और आवास। इस लिहाज से सरकार की बहुचर्चित योजनाओं पर एक नजर डालने से भी स्पष्ट हो जाता है कि हमारी नीतियों की दिशा सही है।

गुरुपुत्रों ने रचा बलिदानों का अतुलनीय इतिहास

अर्थात यह खालसा पंथ भी अकाल पुरुख का है और युद्ध में इसकी विजय भी उसी परमशक्ति की ही है। अतः श्रीगुरु का खालसा अथवा 'खालसा फौज' का अपना कोई निजी स्वार्थ नहीं था। स्वधर्म एवं राष्ट्र की रक्षा का कार्य ईश्वरीय कार्य था। जिसे बलिदान भाव से प्रेरित होकर संपन्न किया गया।उस कालखंड में भारत में हिंदुओं की संख्या लगभग 98 थी, इसी समाज में से चयनित सिंह (सैनिक) सजाए गए थे। अमृत छकने और छकाने से पहले स्वयं श्रीगुरु भी गोविंदराय थे। प्रथम गुरु श्रीगुरु नानकदेव से दशम् गुरु तक की अध्यात्मिक भक्ति और शक्ति की इतिहासिक परंपरा सनातन भारतीयता पर ही आधारित थी।

सोने की चिड़िया कहलाने वाले समृद्ध एवं सुरक्षित भारत पर विदेशी आक्रान्ताओं की गिद्ध दृष्टि पढ़ते ही आक्रमणों का कालखंड शुरू हो गया। शकों हूणों एवं कुषाणों की प्रचंड और राक्षसी सैन्य वाहनियों को पराजित करके हिंदू सम्राटों ने इन भयंकर लड़ाकू जातियों को अपने धर्म में आत्मसात कर लिया। परंतु कालांतर में भारत की केंद्रीय सत्ता के अस्त-व्यस्त होने तथा हिंदुओं में धर्म विमुख्ता, आपसी फूट, एक-दूसरे को नीचा दिखाने और परास्त करने की राष्ट्र घातक मनोवृति के पनपने से इस्लामिक हमलावर भारत को तोड़ने, गुलाम बनाने में सफल होते चले गए। भारतीय इतिहास के इस रक्तरंजित अध्याय में दो राजनीतिक अथवा सैनिक धाराएं चलती रही। पहली धारा मोहम्मद बिन कासिम, महमूद गजनबी, मोहम्मद गौरी, तुगलक, खिलजी, बाबर, हुमायूं, अकबर, जहांगीर, शाहजहां, औरंगजेब तक के दुर्दांत हमलावरों की है जिन्होंने हमारे विघटन का लाभ उठाकर अत्याचारों की आंधी चलाए रखी। और दूसरी धारा दाहिर, बप्पा रावल, राणा सांगा, राणा प्रताप, राणा राजसिंह, छत्रपति शिवाजी महाराज, छत्रसाल और श्रीगुरु गोविंदसिंह जैसे भारतीय शूरवीरों की है जिन्होंने हमलावरों के साथ जमकर टक्कर ली और असंख्य बलिदानों के बाद मुगल साम्राज्य को समाप्त करने में सफल भी हुए। परंतु इसी समय हमारी ही भूलो एवं कमजोरियों के कारण आक्रांता अंग्रेज आए और भारत को लगभग 200 वर्षों तक अपना गुलाम बनाए रखने में सफल हो गए। (परंतु हम परतंत्रता के इस अध्याय पर चर्चा नहीं करेंगे क्योंकि यह वर्तमान लेखमाला का विषय नहीं है।)

सर्वविदित है कि दस गुरुओं की परंपरा श्रीगुरु नानकदेव से प्रारंभ होकर दशमेश पिता श्रीगुरु गोविंदसिंह तक चलती है। और इसी के समकालीन मुगलिया दहशतगर्दी की परंपरा बाबर से लेकर औरंगजेब तक चलती है। इन दोनों विरोधी धाराओं में जमकर संघर्ष हुआ।

सन 1500 से 1700 तक लगभग 200 वर्ष तक चले इस घोर अत्याचारी मुगल साम्राज्य के कफन का अंतिम कील पंजाब में बना था दशम् गुरु द्वारा सृजित खालसा पंथ। मुगलिया दहशतगर्दी के पापों का घट जब लबालब भर गया तो विधाता ने इसे ठोकर मारने का काम दशमेश पिता को सौंप दिया। इस ईश्वरीय आदेश का पालन करते हुए खालसा पंथ का निर्माण करके श्रीगुरु गोविंदसिंह रणक्षेत्र में कूद पड़े। युद्ध का मैदान ही इस संत राष्ट्र पुरुष का कार्य स्थल बन गया। श्रीगुरु नानकदेव द्वारा प्रारंभ किया गया अध्यात्म आधारित भक्ति अभियान अब संत योद्धा कलगीधर, सरवंशदानी श्रीगुरु गोविंदसिंह के वीरव्रतम आधारित सैनिक अभियान में बदल गया। खालसा पंथ के सैनिकों ने शत्रुओं के शीश काटने और स्वधर्म की रक्षार्थ अपने बलिदान देने का इतिहासिक धर्मयुद्ध छेड़ दिया। दशम् पातशाह ने मुगलों के हिंदुत्व विरोधी कुक्रत्यों, औरंगजेब द्वारा फैलाए जा रहे अधर्म, कट्टरपंथी इस्लामिक कानून व्यवस्था के अंतर्गत हो रहे सामाजिक अन्याय के प्रतिकार के लिए अपने चारों पुत्रों (साहिबजादों) को भी कुर्बान कर दिया। उन्होंने अपने 42 वर्षीय जीवन काल में छोटी-बड़ी 14 लड़ाइयां लड़ी। यह सभी रक्तिम संघर्ष अकाल पुरुष की आज्ञा एवं उसी की विजय के मद्देनजर किए गए थे। श्रीगुरु ने इस वैचारिक सिद्धांत को बहुत ही सुंदर शब्दों में कहा है - ाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेहअर्थात यह खालसा पंथ भी अकाल पुरुख का है और युद्ध में इसकी विजय भी उसी परमशक्ति की ही है। अतः श्रीगुरु का खालसा अथवा 'खालसा फौज' का अपना कोई निजी स्वार्थ नहीं था। स्वधर्म एवं राष्ट्र की रक्षा का कार्य ईश्वरीय कार्य था। जिसे बलिदान भाव से प्रेरित होकर संपन्न किया गया।उस कालखंड में भारत में हिंदुओं की संख्या लगभग 98ब्र थी, इसी समाज में से चयनित सिंह (सैनिक) सजाए गए थे। अमृत छकने और छकाने से पहले स्वयं श्रीगुरु भी गोविंदराय थे। प्रथम गुरु श्रीगुरु नानकदेव से दशम् गुरु तक की अध्यात्मिक भक्ति और शक्ति की इतिहासिक परंपरा सनातन भारतीयता पर ही आधारित थी।इसलिए यह कहने में कोई भी अतिश्योक्ति नहीं होगी कि यह 'खालसा पंथ' भारतीयों का, भारतीयों के लिए, भारतीयों के द्वारा सृजित किया गया एक ऐसा सैन्य अभियान था जिसने युग की धारा को ही बदल दिया। पहले जो समाज अपनी ही ढिलाई की वजह से मार खाता था उसने अब हथियार उठाकर शत्रु पर प्रहार करने शुरू कर दिए। जो लोग मुगलिया अत्याचारों से भयभीत होकर घरों की चारदीवारी में दुबके बैठे माला फेरते रहते थे, वह सब अब सिंह बनकर माला फेरने की कर्मकांडी प्रथा को छोड़कर शस्त्र चलाने की शौर्य गाथाएं रचने लगे।इन सभी सैनिक अभियानों में युद्ध नायक दशम् गुरु ने स्वयं और स्वयं के परिवार का बलिदान करने में अग्रणी भूमिका निभाई। अमृत-पान के समय श्रीगुरु ने अपने पांचों सिंहों को आश्वासन दिया था 'आपने धर्म की रक्षा के लिए सर दिए हैं। मैं सरवंश दूंगा।' भाई दयासिंह ने कहा 'सच्चे पातशाह हमने तो शीश देकर अमृत-पान किया है। आप खालसा को क्या भेंट करोगे?' तुरंत दशम् पातशाह ने उत्तर दिया 'मैं अपने सभी सुत खालसा की भेंट चढ़ाऊँगा। मैं सदैव अपने पांच सिहों में उपस्थित रहूंगा।'

खालसा मेरा रूप है खास,
खालसे महि हौ करौ निवास।

खालसा पंथ के रूप में दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही भारतीय सिंह शक्ति और उसके विजयी सैन्य अभियानों से घबराकर औरंगजेब ने इस शक्ति को समाप्त करने के लिए पहाड़ी हिंदू राजाओं की मदद लेने का षड्यंत्र रचा। यह राजा भी दशम् गुरु की सैन्य शक्ति से घबराए हुए थे। अब खालसा पंथ के सामने दो शत्रु थे। एक मुगल और दूसरे कुछ पहाड़ी हिंदू राजा। 'चमकौर की गढ़ी' नामक स्थान पर मुगलों की लाखों की सेना के साथ मुट्ठी भर सिख सैनिकों का युद्ध इसलिए भी इतिहास का एक लोमहर्षक अध्याय बन गया क्योंकि इसमें दशम् गुरु ने अपने दोनों युवा पुत्रों साहिबजादा अजीत सिंह (18) और साहिबजादा जुझार सिंह (15) को युद्ध भूमि में भेजा। यह दोनों गुरु पुत्र अनेकों शत्रुओं को यमलोक पहुंचा कर वीरगति को प्राप्त हुए। धन्य हैं ऐसा दशमेश पिता जिसने अपने दोनों युवा पुत्रों को स्वधर्म के लिए बलिदान होने की प्रेरणा और स्वीकृति दी।इस युद्ध के समय श्रीगुरु का सारा परिवार बिखर गया। इनके दोनों छोटे बेटे 8 वर्षीय जोरावर सिंह और 6 वर्षीय फतेह सिंह को उनकी दादी माता गुजरी सुरक्षित लेकर एक गांव में पहुंची। इस गांव में गुरु परिवार का भक्त गंगू रहता था। इस धोखेबाज ने गुरु पुत्रों को सूबेदार वजीर खान की कैद में पहुंचा दिया।

भागवत के आह्वान के मायने

जाति प्रथा को उखाड़ फेंकने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के आह्वान का कोई चमत्कारिक प्रभाव भले ही तत्काल दिखाई न दे लेकिन कालान्तर में इसके सकारात्मक परिणामों की आशा की जा सकती है। नागपुर में एक कार्यक्रम संघ प्रमुख ने साफ शब्दों में कहा कि 'हिंदू समाज में जाति व्यवस्था एक पुरानी सोच थी। अब इसे भूल जाना चाहिए। पहले जो गलतियां हो चुकी हैं उन पर ब्राह्मणों को प्रायश्चित कर लेना चाहिए। पूर्वजों की गलतियों को मान लेने में कोई हर्ज नहीं है। भागवत ने कहा, शास्त्रों में ब्राह्मण कर्म से हुआ करते थे, जन्म से नहीं। बाद में ब्राह्मणों को जन्म से माना जाने लगा। शास्त्रों ने भी इस बुराई को स्वीकार कर लिया।' आरएसएस के एक पदाधिकारी के अनुसार विजयादशमी उत्सव के संबोधन के दौरान भागवत ने कहा था कि 'एक मंदिर, एक पानी और एक श्मशान सभी हिंदुओं के लिए जब तक खुले नहीं होते, तब तक समता की बात

एक सपना ही होगी।' भागवत के आह्वान से साफ है कि आरएसएस के 100 साल पूरे होने पर शताब्दी वर्ष-2025 में सामाजिक समरसता की दिशा में पहले से चल रहे एक मंदिर, एक कुआं(पानी),एक श्मशान अभियान को और गति देकर जातीय भेदभाव उन्मूलन अभियान को मजबूती दी जाएगी। पिछले कुछ दिनों में भागवत ने अनेक अवसरों पर जाति प्रथा के खात्मे का आह्वान किया है। इससे उम्मीद जागी है। अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती ने संघ प्रमुख के आह्वान का स्वागत किया है। स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती ने जाति प्रथा से जुड़ा बड़ा सच रखा।

उनके अनुसार सनातन परम्परा में जाति व्यवस्था नहीं, वर्ण व्यवस्था थी। वह भी जन्म के आधार पर नहीं, गुरुकुल में शिष्यों के आचरण के आधार पर तय होती थी। समय के साथ इसमें विषमता आती गईं। आरक्षण से इसे बढ़ावा दिया गया। अब जाति का प्रमाण पत्र गुरुकुल नहीं, प्रशासन बांट रहा है। भागवत के आह्वान का स्वागत राकांपा नेता शरद पवार ने भी किया है।

लगभग तीन हजार सालों से जड़ें जमाये बैठी जाति प्रथा पर विचार करने से पहले वर्ण और जाति को समझना होगा। वर्ण चार माने गए हैं-ब्राह्मण, क्षत्री, वैश्य और शूद्र। ब्राह्मण में पुजारी और शिक्षक वर्ग को रखा जाता था। क्षत्री में राजा और योद्धा होते थे। वैश्य में व्यापारी जाति और किसान तथा शूद्र में श्रमिक होते थे। इनमें सभी का अपना महत्व था, ना कोई किसी से कम और ना कोई किसी से ज्यादा। जाति एक बड़ा जटिल सामाजिक समूह है। ऐसा माना जाता है कि भारत में तीन हजार जातियां और पच्चीस हजार उपजातियां है। जातियों की अवधारणा को लेकर विद्वानों के विचार भिन्न-भिन्न रहे हैं। जातियों पर स्पष्ट बात कभी सामने नहीं आई। मौटे तौर पर माना गया कि काम की जिम्मेदारियों के आधार पर इन्हें तय कर लिया गया।

पूर्वाग्रही राजनीतिः काँग्रेस के नक्शे-कदम पर भाजपा....?

ओमप्रकाश मेहता

भारत की राजनीति का अब जनसेवा या देश सेवा से दूर का भी वास्ता नहीं रहा, अब तो सत्ता सिर्फ और सिर्फ च्दीर्घजीवीज् और च्स्वार्थ सिद्धीज् का साधन मात्र बन गई है और इन दोनों राजनीतिक उद्धेश्यों की पूर्ति के लिए पूर्वाग्रह का परिपोषण जरूरी है और उसी रास्ते पर आज की राजनीति अग्रसित है, आज जो भी सत्ता में होता है, वह वही करता है जिसे काँग्रेस ने साठ साल सत्ता में रहकर किया अर्थात् एक-दूसरे का चीर हरण और पूर्वाग्रही राजनीति। आज भी वही परम्परा जारी है, जिसका जीता जागता उदाहरण सत्तारूढ़ भाजपा पार्टी का केन्द्र सरकार द्वारा गुजरात के मैदान में सामने आई आम आदमी पार्टी के साथ पूर्वाग्रही राजनीतिक चाल। गुजरात चुनाव में जाकर अरविंद केजरीवाल ने मजबूती से ताल क्या ठोंकी, उनकी पार्टी व उनके नेताओं पर आफतों की बरसात शुरू हो गई और उन्हें जेल का रास्ता दिखाने की तैयारी शुरू हो गई। केन्द्रीय सरकारी खूफिया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गुजरात चुनावों की संभावनाओं को लेकर केन्द्र सरकार को हाल ही में एक सर्वेक्षण रिपोर्ट मिली है, जिसमें बताया जा रहा है कि मोदी जी और उनकी भाजपा के मुकाबलें अरविंद केजरीवाल की अपील और दलीलें वहां ज्यादा भारी पड़ रही है, यद्यपि मोदी जी ने गुजरात सहित सभी चुनावी राज्यों की चुनावी बागडोर केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह को सौंप दी है और उन्होंने हिमाचल से उसकी शुरूआत भी कर दी है, मध्यप्रदेश में भी रविवार को आयोजित हिन्दी में मेडिकल की पढ़ाई अभियान की शुरूआत का आयोजन भी उसी उद्धेश्य की भेंट चढ़ गया, लेकिन अब यह तय हो गया है कि अब 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव व उसके पहले होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों का पूरा दारोमदार अमित शाह पर ही केन्द्रीत रहेगा और उन्हीं के निर्देशन में अब भाजपा का च्चक्रवर्ती सम्राटज्ज् बनने का अभियान चलेगा, भाजपा तथा मोदी- अमित शाह का यही एक सपना है कि वे व उनकी पार्टी देश के सभी राज्यों पर च्एक छत्रज् राज करें।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में अब छिंदवाड़ा जिले की तरफ से भी मिलेगी एंट्री

पेंच नेशनल पार्क की तरह अब सतपुड़ा नेशनल पार्क में भी पर्यटक एंट्री कर सकेंग

भोपाल टुडे ❑ छिंदवाड़ा

पेंच नेशनल पार्क की तरह अब सतपुड़ा नेशनल पार्क में भी पर्यटक छिंदवाड़ा से भी एंट्री कर सकेंगे। दरअसल, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व का एक गेट तामिया देलाखारी वन परीक्षेत्र से खोला जाएगा, जिसको लेकर वन विभाग ने लगभग सारी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

लगभग आने वाले दो महीने में यदि सब कुछ सही रहा तो इस गेट से पर्यटक आराम से सतपुड़ा टाइगर रिजर्व का दीदार कर सकेंगे। वर्तमान में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व जाने के लिए छिंदवाड़ा के पर्यटकों को मडई गेट से प्रवेश करना पड़ता है, जो होशंगाबाद में है। ऐसे में देलाखारी के पास गेट खुल जाने से नागपुर और छिंदवाड़ा के पर्यटक होशंगाबाद जाए बिना ही आसानी से सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में बाघ और अन्य वन्य प्राणियों का दीदार कर सकते हैं। तामिया बन मंडल के अधिकारियों की पिछले दिनों रेस्ट हाउस में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के अधिकारियों के साथ एक लंबी बैठक हुई थी, जिसमें देलाखारी के पास से सतपुरा टाइगर रिजर्व में एंट्री किए जाने के प्रस्ताव को पारित किया गया। बकायदा इसकी तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं, लेकिन कब तक इस गेट में प्रवेश मिलेगा यह कहा नहीं जा सकता।

वन परिक्षेत्र अधिकारी के मुताबिक, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में प्रवेश के लिए तामिया के देलाखारी से सीताडोंगरी होते हुए डूडी गांव में प्रवेश कर सकेंगे। इसके लिए पर्यटकों को लगभग 25 किलोमीटर लंबा सफर तय करना पड़ेगा, जिसके बाद वे सीधे रिजर्व क्षेत्र में एंट्री कर सकेंगे।

गौरतलब हो कि तामिया के पातालकोट में काफी संख्या में देश-विदेश के पर्यटक प्राकृतिक सौंदर्य को देखने पहुंचे हैं। ऐसे में अब यहां आने वाले पर्यटक यदि चाहे तो वे सीधे पातालकोट से तामिया देना खाली होते हुए सतपुरा टाइगर रिजर्व में भी आसानी से पहुंच सकेंगे। इसके लिए उन्हें काफी कम समय में वन्य प्राणियों के दीदार हो सकेगा और समय भी बचेगा।

महाकाल मंदिर का मुख्य आंगन अब 80 हजार वर्गफीट का होगा, शिखर दर्शन की सुविधा

❑ उज्जैन

महाकालेश्वर के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को मंदिर के मुख्य आंगन (ओंकारेश्वर परिसर) में ज्यादा जगह और सुविधाएं उपलब्ध होगी। इसके लिए इस परिसर का पूर्व और दक्षिण दिशा में निर्माणों को हटाकर चौड़ीकरण किया गया है। यह आंगन 28 हजार वर्ग फीट से बढ़कर 80 हजार वर्ग फीट हो जाएगा। दो मंजिला परिसर के ऊपरी हिस्से में उद्यान से शिखर दर्शन की सुविधा होगी तथा नीचे के हिस्से में 4 हजार श्रद्धालुओं के लिए न्यू वेटिंग हॉल रहेगा। महाकालेश्वर के दर्शन के लिए बढ़ती श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते मंदिर के मुख्य आंगन का विस्तार किया जा रहा है। पहले यह आंगन ओंकारेश्वर मंदिर के आगे शहनाई द्वार तक ही था। मंदिर के सामने से मकानों का अधिग्रहण कर व सड़क को भी मंदिर परिसर में शामिल करते हुए इसे आगे बढ़ाया है। यूडीए के प्रोजेक्ट प्रभारी प्रमोद जोशी के अनुसार सबसे आगे नया परिसर बनाया जा रहा है, जो दो मंजिला है। इसके लिए सड़क से लगे 20 फीट तक की खुदाई कर ओंकारेश्वर मंदिर के समानांतर तक गहरा किया गया। यहां 35 हजार वर्ग फीट में नीचे न्यू वेटिंग हॉल बन है। इसमें श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था भी होगी।

खरगोन में पलटे टैंकर से डीजल भर रहे थे लोग, ब्लास्ट में दो की मौत, 22 घायल

❑ खरगोन

खरगोन में बुधवार तड़के भीषण हादसा हुआ। भारत पेट्रोलियम का डीजल से भरा एक टैंकर पलट गया था। सुबह करीब साढ़े पांच बजे पलटे हुए टैंकर से डीजल लेने के लिए बर्तन लेकर पहुंच गए थे। इसी दौरान टैंकर में ब्लास्ट हो गया और उसके चीथड़े उड़ गए। धमाका इतना जबरदस्त था कि डीजल भर रही युवती कंकाल हो गई। दो लोगों की मौत हो गई। सात बच्चों समेत 22 के घायल होने की सूचना है। यह हादसा खरगोन जिले में बिस्टान थाना क्षेत्र के मोगरगांव-गढ़ी मार्ग पर अंजनगांव में हुआ। टर्न पर टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। उसके बाद ड्राइवर और क्लीनर वहां से भाग गए हैं। टैंकर झिरनिया जा रहा था। टैंकर पलटने के करीब दो घंटे बाद धमाका हुआ। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया। घायलों में 7 बच्चे और 13 महिला-पुरुष शामिल हैं। गंभीर मरीजों को इंदौर रैफर किया गया है। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम और एसपी धर्मवीर सिंह यादव भी घटना की जानकारी मिलते ही जिला अस्पताल पहुंचे। कुमार पुरुषोत्तम ने कहा कि गंभीर लोगों को उपचार के लिए इंदौर रेफर किया गया है। घटना को लेकर [illegible] के अधिकारियों को सूचना दे दी गई है। उनकी टीम खंडवा से रवाना हो चुकी है। वे ही पूरे मामले की जांच करेंगे। ग्रामीणों का कहना है कि जब लोग टैंकर देखने पहुंचे, तब शॉर्ट सर्किट के कारण ब्लास्ट हुआ। वहां मौजूद 20 साल की रंगूबाई पिता गोरेलाल की मौके पर ही मौत हो गई। आग के बुझने के बाद युवती का कंकाल नजर आया। एक अन्य ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ा।

64 वर्गफीट की दुकान 1.72 करोड़ में हुई नीलामी

❑ इंदौर

इंदौर का खजराना गणेश मंदिर खूब प्रसिद्ध है। हर दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए मंदिर पहुंचते हैं। इसके बाद भी मंदिर परिसर में एक 64 वर्गफीट की दुकान का 1.72 करोड़ रुपये में बिकना सबको चौंका रहा है। जी, हां। 1.72 करोड़ रुपये यानी करीब 2.68 लाख रुपये प्रति वर्गफीट। इंदौर विकास प्राधिकरण ने मंदिर परिसर को विकसित किया है। वह ही दुकानों की नीलामी भी कर रहा है। इंदौर विकास प्राधिकरण ने दुकान क्रमांक 1-ए की कीमत 30 लाख रुपये तय की थी। नीलामी शुरू हुई तो सबसे ज्यादा दाम खजराना क्षेत्र के देंवेद्र राठौर ने लगाए। उन्होंने 64 वर्गफीट की इस दुकान को 1.72 करोड़ रुपये की बोली लगाई है। खजराना मंदिर समिति प्रबंधन के घनश्याम शुक्ला ने बताया कि दुकान 30 साल की लीज पर दी गई है। परिसर में सबसे ज्यादा कीमत में यह दुकान बिकी है।खजराना मंदिर परिसर के अन्य व्यापारियों से यह जानने की कोशिश की कि क्या मंदिर परिसर में धंधा इतना अच्छा है।

आरपीएफ के दो जवान ट्रेन की चपेट में आए, गश्त के दौरान हुआ हादसा

मुरैना। मध्यप्रदेश के मुरैना जिले में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। जिले के सांक स्टेशन पर ट्रेन की चपेट में आने से दो आरपीएफ जवानों की मौत हो गई है। दोनों मृतक आरपीएफ जवानों के नाम हेड कांस्टेबल अशोक कुमार और हेड कांस्टेबल नवराज सिंह बताए जा रहे हैं। हादसे की सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। दोनों जवानों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है। बताया जा रहा है हेड कांस्टेबल अशोक कुमार उम्र 57 साल निवासी जालौन उत्तरप्रदेश व हेड कांस्टेबल नवराज सिंह उम्र 40 साल निवासी सियावली, बुलन्दशहर उत्तरप्रदेश, मुरैना जिले के आरपीएफ पोस्ट सांक स्टेशन पर तैनात थे। दोनों जवान गश्त कर रहे थे, उसी दौरान दोनों ट्रेन की चपेट में आ गए। इससे दोनों की मौके पर मौत हो गई। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। वही दोनों जवानों के परिजनों को सूचना दे दी गई है। बताया जा रहा है कि इनका पीएम बुधवार सुबह किया जाएगा। दोनों जवान ट्रैक पर गश्त कर रहे थे। तभी दिल्ली से चेन्नई जा रही ट्रेन क्रमांक 12270 दुरंतो एक्सप्रेस तेज रफ्तार में ट्रैक पर आ गई।

पुलिस कॉलोनी में सेंधमारी, छह घरों के ताले टूटे विधायक के पीएसओ की पिस्टल ले गए चोर

❑ रतलाम

रतलाम जिले के जावरा में 24वीं बटालियन में दिवाली से पहले की रात आधा दर्जन क्वार्टरों के ताले टूटे हैं। बटालियन में चोरी के बाद पूरे परिसर में हडकंप है। ज्यादातर क्वार्टर खाली थे। उनमें कुछ नहीं गया। हालांकि, सैलाना विधायक हर्षविजय गहलोत के पीएसओ लक्ष्मणसिंह भूरिया के क्वार्टर से उसकी पिस्टल चोरी हुई है। अति-सुरक्षित क्षेत्र में चोरी की वारदात ने पुलिस और बटालियन की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सैलाना विधायक हर्षविजय गहलोत का पीएसओ लक्ष्मणसिंह भूरिया एक दिन पहले ही विधायक के यहां से छुट्टी पर आया था। रविवार को अपने झाबुआ जिला स्थित मुख्य निवास पर दीपावली मनाने के लिए गया था। अपनी पिस्टल क्वार्टर पर ही छोड़कर चला गया। सोमवार सुबह जैसे ही क्वार्टरों के ताले टूटने की जानकारी लगी तो एक के बाद एक ताले चेक करने पर करीब एक दर्जन क्वार्टरों के ताले टूटे हुए मिले। इसमें पीएसओ भूरिया के क्वार्टर का ताला भी टूटा हुआ था। दोपहर में वे भी बटालियन पहुंचे।

सिडनी में भारतीय टीम को नहीं मिला सही खाना, 42 किमी दूर प्रैक्टिस करने से किया मना, आईसीसी ने दी सफाई

एजेंसी ■ सिडनी

पाकिस्तान के खिलाफ मेलबर्न में ऐतिहासिक जीत के बाद टीम इंडिया सिडनी में है। उसे वहां नीदरलैंड के खिलाफ अपने दूसरे सुपर-12 मैच में खेलना है। यह मैच 27 अक्तूबर को खेला जाएगा। मुकाबले से पहले टीम इंडिया सिडनी में टूर्नामेंट के आयोजकों से नाराज हैं। दरअसल, भारतीय खिलाड़ियों को प्रैक्टिस के बाद ठंडा खाना परोसा गया। वहीं, उसे अभ्यास के लिए 42 किमी दूर जाने के लिए कहा गया। खिलाड़ियों ने इतनी लंबी यात्रा करने से मना कर दिया। समाचार एजेंसी एएनआई ने बीसीसीआई सूत्रों के हवाले से बताया कि टीम इंडिया सिडनी में अभ्यास के बाद दिए जाने वाले खाने से खुश नहीं थी। भारतीय खिलाड़ियों को उनके अभ्यास सत्र के बाद गर्म भोजन नहीं दिया गया। खाने के मेन्यू में सैंडविच भी शामिल था। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, %%टीम इंडिया को जो खाना दिया गया वह अच्छा नहीं था। उन्हें सिर्फ सैंडविच दिया गया। उन्होंने आईसीसी को भी बताया कि सिडनी में अभ्यास सत्र के बाद दिया गया खाना ठंडा था और अच्छा नहीं था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद टी20 वर्ल्ड कप के दौरान भोजन उपलब्ध करा रही है। हैरानी की बात है कि आईसीसी दोपहर के भोजन के बाद कोई गर्म भोजन नहीं दे रही है। द्विपक्षीय सीरीज के दौरान खाने का इंतजाम मेजबान की ओर से होता है। बीसीसीआई सूत्र ने यह भी बताया कि टीम इंडिया अभ्यास सत्र में भी भाग नहीं ले रही है क्योंकि उन्हें होटल से लगभग 45 मिनट की दूरी पर ब्लैकटाउन (सिडनी से सटे छोटा शहर) में अभ्यास करने की जगह दी गई है। आईसीसी के सूत्र ने इस मामले पर कहा कि सभी टीमों को खाने का मेन्यू पहले ही बता दिया गया था। अगर उन्हें समस्या थी तो पहले बताना चाहिए था। फिर भी इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं। भारत के पूर्व ओपनर वीरेंद्र सहवाग इस मामले पर खुद को बोलने से नहीं रोक पाए। उन्होंने ट्विटर पर कहा- वे दिन चले गए जब लोगों को लगता था कि पश्चिमी देशों में अतिथियों का अच्छा स्वागत है। अब इस मामले में भारत अधिकांश पश्चिमी देशों से आगे है। भारत ने 23 अक्तूबर को टी20 वर्ल्ड कप की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की। उसने रोमांचक मैच में चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को चार विकेट से हरा दिया। टीम इंडिया ने इस जीत के साथ ही पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप में मिली हार का बदला भी ले लिया था। भारत के ग्रुप-2 में एक मैच में दो अंक हैं। उसका नेट रनरेट +0.050 है। वह ग्रुप-2 में दूसरे पायदान पर है। बांग्लादेश एक मैच में दो अंक के साथ शीर्ष पर है। उसका नेट रनरेट (+0.450) भारत से ज्यादा है।

आयरलैंड ने टी20 वर्ल्ड कप में किया दूसरा उलटफेर वेस्टइंडीज के बाद अब इंग्लैंड का किया शिकार

एजेंसी ■ मेलबर्न

टी20 वर्ल्ड कप का 20वां मैच इंग्लैंड और आयरलैंड के बीच मेलबर्न में खेला गया। आयरलैंड ने बारिश से प्रभावित इस मैच को डकवर्थ लुईस नियम के आधार पर पांच रन से अपने नाम कर लिया। बुधवार (26 अक्तूबर) को इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। आयरलैंड ने 19.2 ओवर में 157 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड की टीम ने 14.3 ओवर में पांच विकेट पर 105 रन बनाकर खेल रही थी, तभी बारिश आ गई। इंग्लैंड डकवर्थ लुईस नियम के आधार पर पांच रन से पीछे रह गया।

आयरलैंड ने इस टूर्नामेंट में दूसरी बार उलटफेर किया है। इससे पहले उसने दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज को पहले राउंड में बाहर कर दिया था। इंग्लैंड के बल्लेबाज इस मैच में नहीं चले। कप्तान जोस बटलर (00) और एलेक्स हेल्स (07) आउट हो गए। जोशुआ लिटिल ने दोनों को आउट किया। फिओन हैंड ने बेन स्टोक्स (06) को क्लीन बोल्ड कर दिया। हैरी ब्रुक 21 गेंद पर 18 रन बनाकर जॉर्ज डॉकरेल का शिकार बने। डेविड मलान 37 गेंद पर 35 रन बनाकर आउट हो गए। मैककार्थी की गेंद पर फिओन हैंड ने उनका कैच लिया। मोईन अली 12 गेंद पर 24 रन बनाकर नाबाद रहे। लियाम लिविंगस्टोन दो गेंद पर एक रन बनाकर नाबाद रहे। कप्तान बालबर्नी रहे आयरलैंड की जीत के हीरो आयरलैंड की टीम एक समय 12 ओवर में दो विकेट पर 103 रन बना चुकी थी। इसके बाद टीम के बाकी बचे आठ बल्लेबाज 55 रन जोड़कर पवेलियन लौट गए। आयरलैंड के लिए कप्तान एंड्रयू बालबर्नी ने सबसे ज्यादा 62 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए स्पिनर लियाम लिविंगस्टोन और तेज गेंदबाज मार्क वुड ने कहर बरपाया। दोनों ने तीन-तीन विकेट लिए।

पॉल स्टर्लिंग के रूप में आयरलैंड को पहला झटका लगा। उन्हें मार्क वुड ने सैम करन के हाथों कैच कराया। स्टर्लिंग ने आठ गेंद पर 14 रन बनाए। उनके बाद लोर्कन टकर पवेलियन लौट गए। टकर 27 गेंद पर 34 रन बनाकर रनआउट हो गए। उन्होंने बालबर्नी के साथ दूसरे विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी की। 103 रन के स्कोर टकर आउट हुए। इसी स्कोर पर हैरी टैक्टर आउट हो गए। वह दो गेंदों का सामना करने के बाद खाता खोले बगैर पवेलियन लौट गए। उन्हें मार्क वुड ने जोस बटलर के हाथों कैच कराया।

कप्तान एंड्रयू बालबर्नी 47 गेंद पर 62 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने पांच चौके और दो छक्के लगाए। बालबर्नी को लियाम लिविंगस्टोन ने एलेक्स हेल्स के हाथों कैच कराया। लिविंगस्टोन ने इसके बाद जॉर्ज डॉकरेल (00 रन) को क्लीन बोल्ड कर दिया। कर्टिस कैंफर 11 गेंद पर 17 रन बनाकर आउट हुए। मार्क वुड ने उन्हें जोस बटलर के हाथों कैच कराया।

तुर्की में हो सकता है आईपीएल ऑक्शन, बीसीसीआई ने शॉर्टलिस्ट किए शहरों के नाम

एजेंसी ❑ नईदिल्ली

आईपीएल के अगले सीजन के लिए नीलामी का आयोजन इस साल दिसंबर में होना है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) अब तक नीलामी के लिए जगह और तारीख को तय नहीं कर पाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस बार देश से बाहर नीलामी को आयोजित किया जा सकता है। इसके लिए तुर्की के शहर इस्तांबुल को शॉर्टलिस्ट किया गया है। साथ ही बेंगलुरु के नाम पर भी चर्चा हो रही है।

नीलामी के लिए बोर्ड की पहली पसंद इस्तांबुल ही है। अगर वहां बात नहीं बनी तो बेंगलुरु को इसकी मेजबानी मिल सकती है। नवंबर को पहले हफ्ते में होने वाले बैठक के दौरान इस पर फैसला ले लिया जाएगा। आईपीएल के नए चेयरमैन अरुण धूमल टूर्नामेंट को लेकर सारी चीजों पर नजर बनाए हुए हैं। कहा जा रहा है कि 16 दिसंबर को मिनी ऑक्शन का आयोजन हो सकता है।

आईपीएल ने फ्रेंचाइजियों को 15 नवंबर तक रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची सौंपने के लिए कहा है। यह पिछली बार की तरह बड़ी नीलामी नहीं होगी। बोर्ड ने सभी फ्रेंचाइजियों से संभावित तारीखों को लेकर बात की है। ईएसपीएन क्रिकइंफो ने अपनी रिपोर्ट में यह बताया था कि आईपीएल ने 15 नवंबर तक रिटेन खिलाड़ियों की सूची मांगी है। बड़ी नीलामी में टीमों को ज्यादा से ज्यादा चार खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति थी, लेकिन इस बार ऐसी कोई पाबंदी नहीं होगी।

इसके अलावा लीग की शुरुआत कब होगी इस बारे में चर्चा नहीं हुई है। माना जा रहा है कि पिछले सीजन की तरह मार्च के आखिरी हफ्ते में नए सीजन की शुरुआत हो सकती है। इस बार टूर्नामेंट होम और अवे फॉर्मेट में होगा। कोरोना काल से पहले इसी फॉर्मेट का इस्तेमाल होता है। टीमें सात मैच अपने घरेलू और सात मैच विपक्षी टीम के मैदान पर खेलेंगी।

2019 के बाद पहली बार वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप-5 में पहुंचीं पीवी सिंध

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु तीन साल बाद बैडमिंटन की वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप पांच में जगह बनाने में कामयाब हो पाई हैं। बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड रैंकिंग द्वारा जारी की गई ताजा रैंकिंग में 27 वर्षीय सिंधु पांचवें स्थान पर पहुंच गई हैं। सिंधु की रैंकिंग में सुधार उनके चोटिल होने के बावजूद हुआ है। सिंधु बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के बाद से चोटिल हैं और कोई टूर्नामेंट नहीं खेल पाई हैं।

सिंधु 87,218 अंकों के साथ मौजूदा रैंकिंग में छठे से पांचवें स्थान पर पहुंच गई हैं। सिंधु ने इस साल बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में महिला सिंगल्स में स्वर्ण पदक जीता था। यह उनका कॉमनवेल्थ गेम्स में दूसरा स्वर्ण और कुल पांचवां पदक था। 2018 गोल्ड कोस्ट में मिक्स्ड टीम इवेंट में सिंधु ने स्वर्ण जीता था। इसके अलावा वह दो रजत और एक कांस्य पदक जीत चुकी हैं।

सिंधु पिछली बार सितंबर 2019 में दुनिया की टॉप फाइव रैंकिंग में शामिल हुई थीं। वह इस महीने शीर्ष पांच में जगह बनाने से पहले इस साल की शुरुआत में आठवें स्थान पर आ गई थीं। पिछले कुछ समय तक सिंधु सातवें स्थान पर बनी हुई थीं, क्योंकि बीडब्ल्यूएफ ने कोरोना के कारण विश्व रैंकिंग को फ्रीज कर दिया था। पीवी सिंधु की अब तक की सर्वश्रेष्ठ विश्व रैंकिंग अक्तूबर 2018 में आई थी, जब वह दूसरे नंबर पर पहुंच गई थीं। इस साल की शुरुआत में राष्ट्रमंडल खेलों में अपना पहला एकल स्वर्ण पदक जीतने के बाद से सिंधु एक्शन से गायब हैं। उन्हें टूर्नामेंट के दौरान टखने की चोट से जूझना पड़ा था। इसके बावजूद वह खेलती रही थीं। सिंधु ने सोमवार को कोर्ट में वापसी की और अपनी ट्रेनिंग शुरू कर दी है। अब उनकी नजर इस साल के अंत में होने वाले वर्ल्ड टूर फाइनल्स में पदक जीतने पर होगी।

पीवी सिंधु की उपलब्धियां

पीवी सिंधु ने 2016 ओलंपिक में रजत और 2020 ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। वहीं, विश्व चैंपियनशिप में वो छह पदक जीत चुकी हैं। उन्होंने 2019 में स्वर्ण, 2018 और 2017 में रजत और 2013-2014 में कांस्य पदक हासिल किया था।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बांग्लादेश की शर्मनाक हार, रिले रॉसो, शम्सी और नोर्त्जे का कमाल

एजेंसी ■ सिडनी

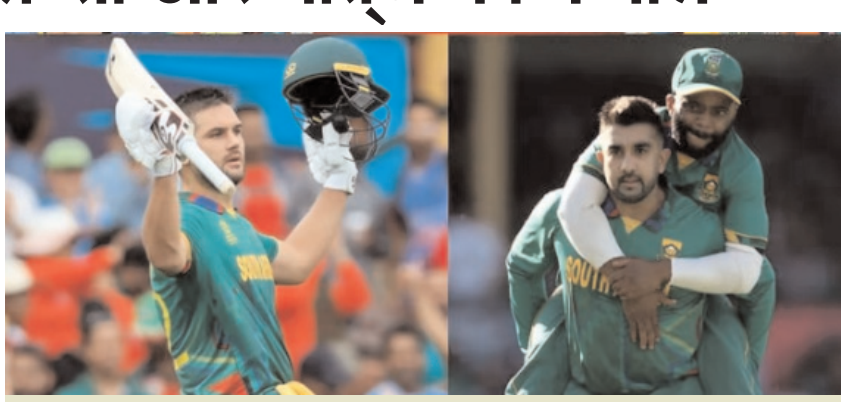

टी20 वर्ल्ड कप का 22वां मुकाबला दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के बीच खेला गया। सिडनी में ग्रुप-2 के इस मैच में दक्षिण अफ्रीका ने 104 रनों से बड़ी जीत हासिल की। उसने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 205 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश की टीम 16.3 ओवर में 101 रनों पर सिमट गई। दक्षिण अफ्रीका की जीत के हीरो रीले रॉसो, एनरिच नोर्त्जे और तबरेज शम्सी रहे।

रॉसो ने शानदार शतक लगाया। वहीं, नोर्त्जे ने चार और शम्सी ने तीन विकेट झटके। रिले रॉसो ने सबसे ज्यादा 109 रन बनाए। रिले रॉसो ने इस टी20 वर्ल्ड कप का पहला शतक लगाया। वह इस टूर्नामेंट के इतिहास में शतक लगाने वाले अपनी टीम के पहले बल्लेबाज भी हैं। यह उनके टी20 करियर का दूसरा शतक है। रॉसो ने लगातार दूसरे टी20 पारी में शतक लगाया। इससे पहले भारत के खिलाफ चार अक्तूबर को इंदौर में 100 रन की नाबाद पारी खेली थी। उन्हें जिम्बाब्वे के खिलाफ बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला था। रॉसो ने 56 गेंद की पारी में सात चौके और आठ छक्के लगाए। क्विंटन डिकॉक 38 गेंद पर 63 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में सात चौके और तीन छक्के लगाए। डिकॉक को आफिफ हुसैन ने सौम्य सरकार के हाथों कैच कराया। डिकॉक ने रॉसो के साथ दूसरे विकेट के लिए 85 गेंद पर 163 रनों की साझेदारी की।

बांग्लादेश के सात बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके: बांग्लादेश के बल्लेबाज अफ्रीकी गेंदबाजों के सामने डरे हुए दिखाई दिए। 11 में से सात बल्लेबाज तो दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाए। लिटन दास ने सबसे ज्यादा 34 रन बनाए। सौम्य सरकार ने 15, मेहदी हसन ने 11 और तस्कीन अहमद ने 10 रन बनाकर आउट हुए। नजमूल हुसैन नौ रन ही बना सके। कप्तान शाकिब अल हसन और आफिफ हुसैन एक-एक रन बनाकर पवेलियन लौटे। मोसादेक हुसैन और हसन महमूद खाता नहीं खोल सके। मुस्तफिजुर रहमान ने नाबाद नौ और नूरुल हसन ने दो रन बनाए। अफ्रीकी टीम के लिए एनरिच नोर्त्जे ने 3.3 ओवर में 10 रन देकर चार विकेट लिए।

तेम्बा बावुमा का नहीं चला बल्ला

इससे पहले अफ्रीकी टीम को पहला झटका पहले ही ओवर में लगा। कप्तान तेम्बा बावुमा दो गेंद पर दो रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें तस्कीन अहमद ने विकेटकीपर लिटन दास के हाथों कैच कराया। उनके बाद डिकॉक का विकेट गिरा। ट्रिस्टन स्टब्स तीसरे विकेट के रूप में आउट हुए। उन्हें शाकिब अल हसन ने लिटन दास के हाथों कैच कराया। स्टब्स ने सात गेंद पर सात रन बनाए। उनके बाद रिले रॉसो 19वें और एडेन मार्कराम 20वें ओवर में आउट हुए।

ब्लूमबर्ग केक आंकड़ों के अनुसार विदेशी निवेशकों ने बाजार ममें जबरदस्त बिकवाली की

चीन में बाजार का हाल खराब, विदेशी निवेशक कर रहे बाहर निकलने की तैयारी

एजेंसी ❑ नई दिल्ली

चीन में सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी के पांच वर्षों के बाद हुए सम्मेलन के बाद वहां शेयर बाजार में बड़ी गिरावट दिखी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार चीन में आने वाले समय में विदेशी निवेशक बड़े पैमाने पर बिकवाली कर सकते हैं। बता दे कि पिछले दिनों चीन ने अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े को देर से जारी करने का एलान किया। खबरों के अनुसार पहली बार चीन से विदेशी निवेशक बाहर निकलने की तैयारी कर रहे हैं। इसका असर आने वाले दिनों में वहां के शेयर बाजार पर दिख सकता है। चीन की सत्ताधारी पार्टी के सम्मेलन में सहायक नीतियों में हुई कटौती और नए सिरे से कोविड प्रतिबंधों के कारण बाजार में निवेशकों की चिंताएं बढ़ने लगी है। इस वजह से विदेशी निवेशक चीन में मार्केट से अपने फंड की निकासी का मन बना रहे हैं। ब्लूमबर्ग केक आंकड़ों के अनुसार सोमवार को विदेशी निवेशकों ने बाजार ममें जबरदस्त बिकवाली की है। विदेशी निवेशकों ने सोमवार को हांगकांग के साथ ट्रेडिंग लिंक के जिरए मेनलैंड शेयरों में रिकॉर्ड 17.9 अरब युना (लगभग 2.5 अरब डॉलर) की नेट बिकवाली की है। बाजार में फिलहाल अब तक स्मॉल नेट आउटफ्लो दिखा है। जानकारों के मुताबिक, अगर ये आउटफ्लो वर्ष के आखिर तक बना रहा, तो 2014 में शुरू हुए स्टॉक कनेक्ट प्रोग्राम के बाद से यह पहली सालाना गिरावट

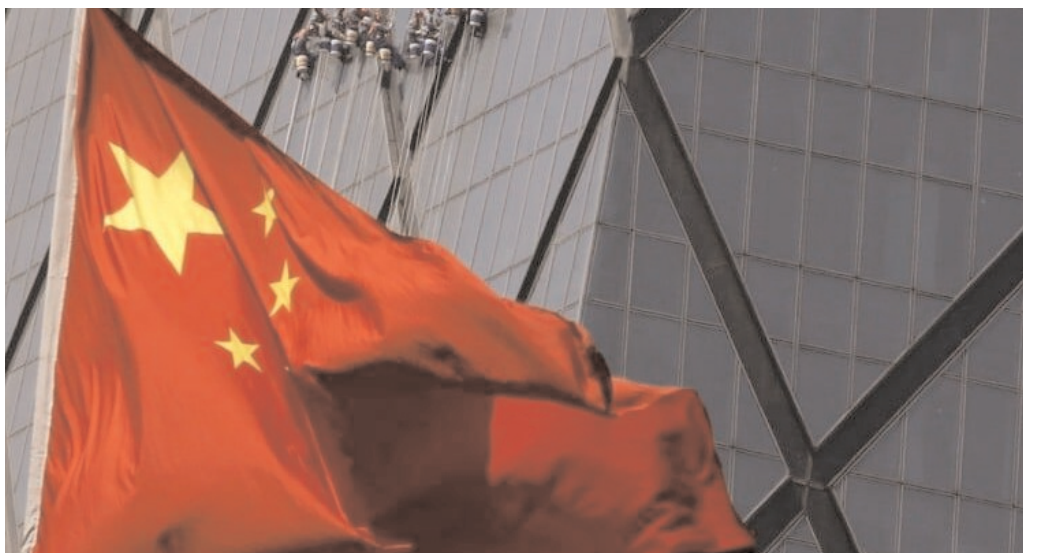

होगी। ब्लूमबर्ग इंटेलिजेंस के एक्सपर्ट मार्विन चेन के अनुसार चीनी शेयरों पर अब विदेशी सेंटीमेंट कम नजर आ रहे हैं। पार्टी के सम्मेलन से कोविड की नीतियों में किसी भी तरह के बदलाव नहीं होने के संकेत बाहर आए हैं। बाजार को अब दिसंबर में होने वाले सेंट्रल वर्क कॉन्फ्रेंस का इंतजार करना पड़ सकता है। इस बीच सभी की नजरें इस बात पर टिकी होंगी कि चीन का जी जिंनपिंग नेतृत्व अपनी इकोनॉमिक मुश्किलों का समाधान कैसे और क्या निकालेगा? बता दें कि पिछले दिनों चीन ने अपने सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े को देर से जारी करने का ऐलान किया था। चीन 18 अक्टूबर को अपनी जीडीपी के आंकड़े जारी करने वाला था, लेकिन इसे आखिरी मौके पर 17 अक्टूबर को भविष्य के लिए टाल दिया था। वहीं ब्लूमबर्ग के सर्वे के अनुसार, अर्थशास्त्रियों ने उम्मीद जताई थी कि अप्रैल-जून तिमाही की अवधि में लगभग जीरो ग्रोथ दिखने के बाद चीन की जीडीपी तीसरी तिमाही में 3.3 फीसदी रह सकती है।

ओटीटी संचार सेवाओं के लिए समान हों नियम : सीओएआई

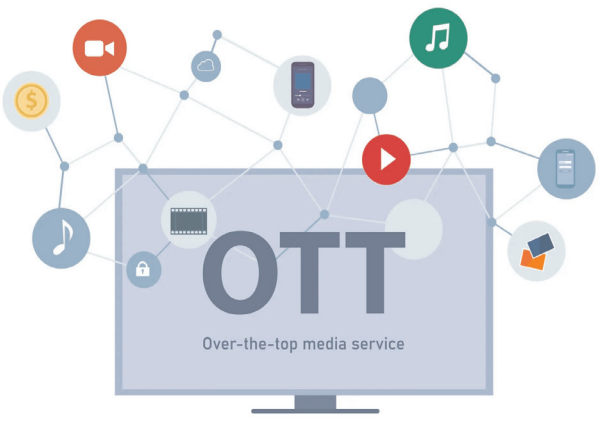

एजेंसी ❑ नई दिल्ली

सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) ने 'समान सेवा-समान नियमों' की वकालत करते हुए कहा कि ओटीटी संचार सेवाओं के लिए एक समान नियम होने चाहिए।?दूरसंचार परिचालकों के संगठन ने कहा कि नियामकीय शर्तें एवं व्यवहार एक जैसी कंपनियों पर एक समान लागू होने चाहिए।

सभी प्रौद्योगिकियों के लिए समान अवसरों की जरूरत है। ओटीटी संचार सेवाओं में 'समान सेवा के लिए समान नियम' होने से उद्योग में निष्पक्ष व स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होगी। व्हॉट्सएप और अन्य ओटीटी संचार एप वॉयस और वीडियो कॉल की सुविधा देती हैं। सीओएआई ने दावा किया कि भ्रामक विचारों के आधार पर कुछ हलकों का मानना है कि ओटीटी सेवाओं पर 'समान सेवा-समान नियम' का सिद्धांत लागू नहीं हो पाएगा। संगठन ने कहा कि यह कहना गलत है कि दूरसंचार सेवाएं और ओटीटी एप एक स्तर पर काम नहीं करते। कॉल (वॉयस/वीडियो) जैसी सेवाएं चाहे दूरसंचार सेवाप्रदाता देते हों या फिर ओटीटी एप...ये समान स्तर पर परिचालन करते हैं।

डिजिटल बाजारों में उचित प्रतिस्पर्धा तय करना जरूरी, सीसीआई ने गूगल पर लगाया 2274 करोड़ का जुर्माना

एजेंसी ❑ नई दिल्ली

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के चेयरमैन अशोक कुमार गुप्ता ने कहा कि डिजिटल बाजारों में प्रतिस्पर्धा को लेकर चिंताजनक स्थिति है। इसलिए डिजिटल बाजारों को प्रभावी ढंग से विनियमित करने व उचित प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए एक ढांचे की व्यवहार्यता पर बारीकी से विचार करने की जरूरत है। हाल ही में गूगल पर भारी जुर्माना लगाने वाले आयोग के चेयरमैन ने मंगलवार को कहा कि नियामक जुर्माना लगाने और इसकी मात्रा तय करने में व्यावहारिक रहा है। सीसीआई की कार्रवाई व्यापार व आर्थिक वास्तविकताओं से अलग नहीं होती हैं। मंगलवार को आयोग के शीर्ष पद से

सेवानिवृत्त होने वाले कुमार ने कहा कि सीसीआई डिजिटल बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने को कदम उठा रहा है। एंड्रॉयड मामले से जुड़े फैसले पर गूगल की टिप्पणियों के बारे में पूछने पर कुमार ने कुछ कहने से इनकार कर दिया। आयोग ने कई बाजारों में अपनी प्रभावी स्थिति के दुरुपयोग के लिए गूगल पर एक सप्ताह में 2,274.2 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। पिछले बुधवार को अनुचित कारोबारी गतिविधियों के लिए मेकमायट्रिप, गोआईबीबो व ओयो पर कुल 392 करोड़ का जुर्माना लगाया था। प्रौद्योगिकी स्टार्टअप सभी क्षेत्रों में प्रभावी = भारत में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र है। प्रौद्योगिकी आधारित स्टार्टअप सभी क्षेत्रों में प्रभावी हैं। इसलिए हम भारत में उन रूपरेखाओं से भी जुड़े रहें, जिन्हें हमारे समकक्ष विकसित कर रहे हैं। बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों के संबंध में देश में प्रतिस्पर्धा कानून से जुड़े सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिस्पर्धा कानून विकास के एक बहुत ही महत्वपूर्ण क्षण में है। दुनियाभर में प्रतिस्पर्धा एजेंसियों से सीखने और अनुभवों के आदान-प्रदान के लिए सहयोग करने की जरूरत है।

सिंगापुर ने कहा- क्रिप्टोकरेंसी पर बैन व्यावहारिक नहीं, जोखिम कम करने का प्रस्ताव पेश

नई दिल्ली। सिंगापुर के मौद्रिक प्राधिकरण सिंगापुर सेंट्रल बैंक ने क्रिप्टोकुरेंसी में व्यापार से उपभोक्ताओं के नुकसान के जोखिम को कम करने के लिए नियामक उपायों का प्रस्ताव पत्र प्रकाशित किया है। सार्वजनिक डोमेन में नियामक उपायों को ध्यान में रखते हुए सिंगापुर के केंद्रीय बैंक ने कहा कि हालांकि क्रिप्टोकरेंसी में व्यापार अत्यधिक जोखिम भरा है और आम जनता के लिए उपयुक्त नहीं है। हालांकि उसने यह भी कहा कि डिजिटल संपत्ति व्यापक डिजिटल परिसंपत्ति पारिस्थितिकीय तंत्र में सहायक भूमिका निभाती है, यही कारण है कि उसका मानना है कि उन पर प्रतिबंध लगाना व्यावहारिक नहीं होगा। केंद्रीय बैंक के एक आधिकारिक बयान में बुधवार को कहा गया है कि क्रिप्टोकरेंसी में सट्टा व्यापार से उपभोक्ताओं को होने वाले जोखिम को कम करने के लिए उसका मानना है कि कि उचित व्यावसायिक आचरण और पर्याप्त जोखिम के मानक सुनिश्चित किया जाएं। ऐसा करने के लिए ऐसी डिजिटल संपत्ति के सेवा प्रदाताओं की आवश्यकता होगी।

शैम्पू के इस्तेमाल से ब्लड कैंसर का खतरा!

एजेंसी ❑ नई दिल्ली

यूनीलीवर ने अमेरिकी बाजार से प्रोडक्ट्स वापस मंगाए

दुनिया की दिग्गज एफएमसीजी कंपनी यूनिलीवर ने डव सहित एयरोसोल ड्राई शैम्पू के कई लोकप्रिय ब्रांड्स के उत्पादों को बाजार से वापस मंगा लिया है। कंपनी के कई शैम्पू ब्रांड्स में बेंजीन नाम का खतरनाक केमिकल पाया गया है, जिससे कैंसर होने का खतरा है। इसे देखते हुए कंपनी ने डव, नेक्सस, सुआवे, टिगी और ट्रेसमें एयरोसोल समेत कई डाई शैम्पू को अमेरिकी बाजार से रिकॉल कर लिया है। फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन की वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक नोटिस के अनुसार बाजार से वापस मंगाए गए प्रोडक्ट्स में नेक्सस, सुवे, ट्रेसमें और टिगी जैसे प्रचलित ब्रांड्स

शामिल हैं, जो रॉकहोलिक और बेड हेड ड्राई शैम्पू बनाते हैं। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि यूनीलीवर ने अक्तूबर 2021 से पहले बनाए गए सभी उत्पादों को वापस मंगा लिया है। इस खबर ने एक बार फिर से पर्सनल केयर वाले प्रोडक्ट्स की सुरक्षा को सवालों के घेरे में ला दिया है। पिछले डेढ़ वर्षों के दौरान कई ऐयरोसोल सनसक्रीन जैसे कि जॉनसन एंड जॉनसन की न्यूट्रोगेना व एडजवेल पर्सनल केयर कंपनी की बनाना बोट जैसे उत्पादों से जुड़ी इस तरह की खबरें आ चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार पीएंडजी (प्रॉक्टर एंड गेम्बल) ने भी पिछले वर्ष दिसंबर में बेंजीन के मिश्रण का हवाला देते हुए अपने पैंटीन और हर्बल एसेंस ड्राई शैम्पू को बाजार से वापस मंगा लिए थे।

डाबर इंडिया ने खरीदा बादशाह मसाला, इतने करोड़ रुपये में हुई डील

नई दिल्ली। देश की जानी-मानी कंपनी डाबर इंडिया अब मसालों के कारोबार में उतरने के लिए कमर कर कस चुकी है। कंपनी ने मसालों के ब्रांड बादशाह मसाला में 51 फीसदी की हिस्सेदारी खरीद ली है। इस डील के बाद अब बादशाह मसाला पर डाबर इंडिया का मालिकाना हक हो गया है। बता दें कि डाबर इंडिया के मुनाफे में सितंबर तिमाही के दौरान गिरावट आई है। सितंबर तिमाही के रिजल्ट जारी करने के साथ ही कंपनी ने बादशाह मसाला में हिस्सेदारी खरीदने का भी एलान किया है। डाबर इंडिया ने बादशाह मसाला में 51 फीसदी हिस्सेदारी 587.52 करोड़ रुपये में हासिल करने की घोषणा की है। दोनों कंपनियों की ओर से जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया है कि डाबर ने बादशाह मसाला प्राइवेट लिमिटेड की 51 फीसदी हिस्सेदारी हासिल करने के लिए पक्के एग्रीमेंट साइन कर लिए हैं। इस डील के बाद बादशाह मसाला पर अब डाबर इंडिया का मालिकाना हक हो जाएगा। बयान के अनुसार, बदशाह मसाला फिलहाल पिसे हुए मसालों, मिक्स मसालों और खाद्य प्रोडक्ट्स बनाकर बेचती और निर्यात करती है। डाबर इंडिया ने शेयर बाजार को बताया है कि यह अधिग्रहण फूड सेक्टर की नई कैटेगरीज में प्रवेश करने के कंपनी के इरादों के अनुरूप है। इस डील के लिए बादशाह मसाला की वैल्यू 1152 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने कहा कि बाकी 49 फीसदी हिस्सेदारी का अधिग्रहण पांच वर्षों के बाद किया जाएगा। कंपनी के अनुसार डाबर इंडिया तीन वर्षों में अपने फूड बिजनेस को 500 करोड़ रुपये तक बढ़ाने का इरादा रखती है।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)